Banasthali Vidyapith

Imparting Five Fold Education since 1935

P.O. Banasthali Vidyapith - 304 022 (Rajasthan)
Ph. +91 1438 228456 / 228341 Visit us at: www.banasthali.org
Connect with us on www.facebook.com/banasthali.org
www.instagram.com/banasthali_vidyapith_official

www.banasthali.org

वनस्थली विद्यापीठ
Banasthali Vidyapith

विवरण पत्रिका 2025-26 Prospectus

विद्यालय शिक्षा — School Education

जीवन की ज्योति

तुम्हारी-सी जीवन की ज्योति,
हमारे जीवन में उतरे।
तुम्हारे ही नयनों का आज,
हो रहा यह सपना साकार।
बह रही है इस मरु में आज,
यहाँ निर्मल गंगा की धार।
बहाती वह मिट्टी का पाप,
धरा पर स्वर्ग-लहर लहरें।
तुम्हारी-सी जीवन की ज्योति...
अधखिली प्यारी कलिका एक,
हुई कुम्हला कर अन्तर्धान।
शोक बीता, छाया उल्लास,
यहाँ लहलहा उठा उद्यान।
बसे फूलों में अमर सुगन्ध,
विश्व की दिशा-दिशा में भरे।
तुम्हारी-सी जीवन की ज्योति...
लगा जो गये यहाँ पर बीज,
तुम्हारे वे लघु कर कमनीय।
बन गया वह विराट् वट-वृक्ष
सुशीतल छाया से महनीय।
मिटाता जीवन का सब ताप,
जगत् का चिर अवसाद हरे।
तुम्हारी-सी जीवन की ज्योति...
पा रहे पुण्य-स्नेह का दान,
रहे अन्तर के सदा समीप।
उठे घर-घर, समाज में जाग,
जल उठे जो ये शत-शत दीप।
कि 'सा विद्या या विमुक्तये',
शुभ्र इनका आलोक करे।
तुम्हारी-सी जीवन की ज्योति...

शाश्वत शांताबाई

Eternal Shantabai

वनस्थली विद्यापीठ
Banasthali Vidyapith

विवरण पत्रिका
2025-26
Prospectus

अनुक्रमणिका

क्र.सं.		पृष्ठ सं.
1.	संस्थापक	4
2.	महिला शिक्षा का अनुपम संस्थान	10
3.	पंचमुखी शिक्षा	12
4.	विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम	16
5.	शैक्षिक कार्यक्रम	22
6.	प्रवेश-प्रक्रिया	30
7.	शुल्क	38
8.	शैक्षिक परिसर एवं छात्रावास संबंधी नियम	44
9.	वेशभूषा एवं यूनिफार्म	50
10.	साप्ताहिक एवं अन्य अवकाश	54
11.	कैसे पहुँचें वनस्थली?	56
12.	सामान्य सूचना एवं महत्त्वपूर्ण टेलीफोन नं.	58

INDEX

Sl.		Page No.
1.	Our founders	5
2.	The national institutions for women education	11
3.	Five Fold Education	13
4.	Current School Education Programme	17
5.	Academic Programme	23
6.	Admission procedure	31
7.	Fee	39
8.	Academic, Campus and Hostel rules	45
9.	Dress code and uniform	51
10.	List of Holidays	55
11.	How to reach Banasthali?	57
12.	General information & important telephone numbers	59

पण्डित हीरालाल शास्त्री

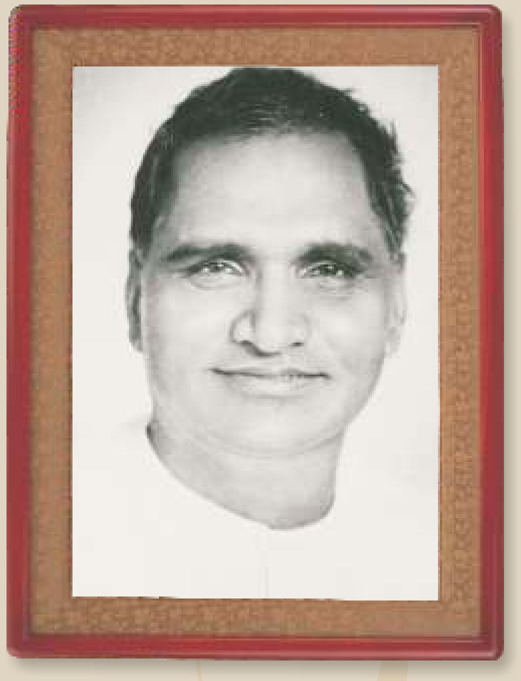

पं. हीरालाल शास्त्रीजी का जन्म 24 नवम्बर, 1899 को जयपुर जिले में जोबनेर के एक किसान परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा जोबनेर में हुई। 1920 में उन्होंने साहित्य - शास्त्री की डिग्री प्राप्त की। 1921 में उन्होंने जयपुर के महाराजा कॉलेज से बी.ए. किया और इस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

पं. हीरालाल शास्त्रीजी की बचपन से ही यह उत्कट अभिलाषा थी कि वे किसी गाँव में जाकर दीन-दलितों की सेवा में अपना सारा जीवन लगा दें। हालाँकि 1921 में वे जयपुर राज्य सेवा में आ गए और बड़ी तेजी से उन्नति करते हुए गृह और विदेश विभागों में सचिव बने फिर 1927 में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया। प्रशासनिक सेवा के दौरान उन्होंने बड़ी मेहनत, कार्यकुशलता और निर्भीकता से काम किया।

1929 में पं. हीरालाल शास्त्रीजी ने अपने बचपन का संकल्प पूरा करने के उद्देश्य से जयपुर से 45 मील की दूरी पर स्थित 'बन्थली' नामक एक दूरवर्ती और पिछड़े गाँव को चुना और वहाँ 'जीवन - कुटीर' की स्थापना की। उन्होंने वहाँ निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक दल को प्रशिक्षित किया और गाँवों के पुनर्निर्माण के लिए एक कार्यक्रम के कार्यान्वयन का प्रयास किया। यही कार्यकर्ता बाद में राजपुताना की कई रियासतों में राजनैतिक जागरूकता के अग्रदूत बने। 1937 में उन्हें जयपुर राज्य प्रजा मण्डल का पुनर्गठन करने का भार सौंपा गया। वे इस मंडल के दो बार महामंत्री और दो बार अध्यक्ष चुने गए। इस प्रकार उन्हें स्वयं राजनैतिक क्षेत्र में उतरना पड़ा। 1939 में नागरिक स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए उन्होंने प्रजा मंडल के सत्याग्रह का नेतृत्व किया और उन्हें छह महीने की कैद हुई। 1947 में उन्हें अखिल भारतीय देशी राज्य प्रजा परिषद् का महामंत्री बनाया गया। उसी वर्ष वे संविधान सभा के लिए चुने गए।

1948 में जयपुर रियासत में प्रतिनिधि सरकार बनने पर पं. हीरालाल शास्त्री ने उसके मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला और 30 मार्च, 1949 को जब राजस्थान राज्य का निर्माण हुआ तो वे उसके प्रथम मुख्यमंत्री बने। विभिन्न रियासतों को भारत संघ में मिलाने और तत्कालीन प्रशासन को प्रभावशाली प्रशासन का रूप देने के अत्यन्त कठिन कार्य की जिम्मेदारी उन्हीं पर आई। उन्होंने यह जटिल कार्य थोड़े ही समय में पूरा कर लिया। 05 जनवरी, 1951 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया और बाद में दूसरी लोकसभा के सदस्य बने।

पं. हीरालाल शास्त्रीजी ने वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना सन् 1935 में की थी। विद्यापीठ ने आज नारी शिक्षा की एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्था का रूप ले लिया है।

पं. हीरालाल शास्त्रीजी का देहावसान 28 दिसम्बर, 1974 को हुआ। पं. हीरालाल शास्त्री जी बड़े दूरदर्शी और जनप्रिय नेता रहे। वे अपने विचार व्यक्त करने में स्पष्टवादी और निर्भीक, हृदय से सच्चे भारतीय तथा निः स्वार्थ समाजसेवी बने रहे। शक्तिशाली, सुसंगठित और प्रगतिशील राजस्थान की नींव डालने का अधिकांश श्रेय उन्हीं को है।

डाक-तार विभाग ने पं. हीरालाल शास्त्री के सम्मान में एक स्मारक डाक-टिकट भी जारी किया है।

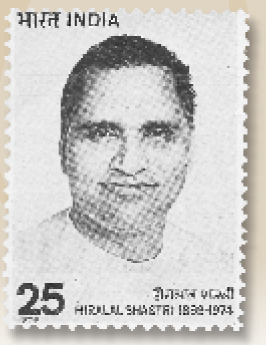

Pandit Hiralal Shastri

Hiralal Shastri was born on November 24, 1899 at Jobner in Jaipur District, Born in a peasant family, he had his early education in Jobner. Hiralal secured the degree of Sahitya Shastri in 1920. He took B.A. degree in 1921 from Maharaja's College, Jaipur, securing the first rank.

From early childhood Pandit Hiralal Shastri had a burning desire to go to some village and devote his life to the service of the down-trodden. Though he joined Jaipur State Service in 1921 and had a meteoric rise to become Secretary in the Home and Foreign Departments, he resigned the same in 1927. While in administrative service he displayed qualities of hard work, efficiency and fearlessness.

In 1929, in fulfilment of his childhood resolve, Pandit Hiralal Shastri selected a remote and backward village Banthali 45 miles from Jaipur and founded 'Jeevan Kutir' there. Here he trained a band of dedicated social workers and endeavoured to implement a programme of rural reconstruction. These workers later became the heralds of political awakening in many of the Rajputana States. He himself was drawn to political arena when he was given the responsibility to re-organise Jaipur Rajya Praja Mandal in 1937 of which he was twice elected General Secretary and twice President.

In 1939 he led the Praja Mandal's Satyagraha for achievement of civil liberties and suffered a six month imprisonment. In 1947 he was appointed General Secretary of All India States Peoples Conference. The same year he was elected to the Constituent Assembly.

On the installation of representative Government in Jaipur State in 1948 Pandit Hiralal Shastri took over as the Chief Minister and when Rajasthan State was formed on March 30, 1949 he became its first Chief Minister. On him fell the herculean task of integrating the diverse princely units into effective modern administration. He accomplished this task ably in a short period. He resigned on January 5, 1951 and later became member of Second Lok Shabha.

Banasthali Vidyapith, founded by Pandit Hiralal Shastri, has today become a premier national institution for women's education.

Pandit Hiralal Shastriji passed away on December 28, 1974. Forthright and fearless in his views, an Indian to the core of his heart, a selfless social worker, Pandit Hiralal Shastri was a farsighted and popular leader. To him goes largely the credit of laying the foundation of strong, unified and progressive Rajasthan.

The Post & Telegraph Department feels privileged to bring out a Commemorative postage stamp in honour of Pandit Hiralal Shastri.

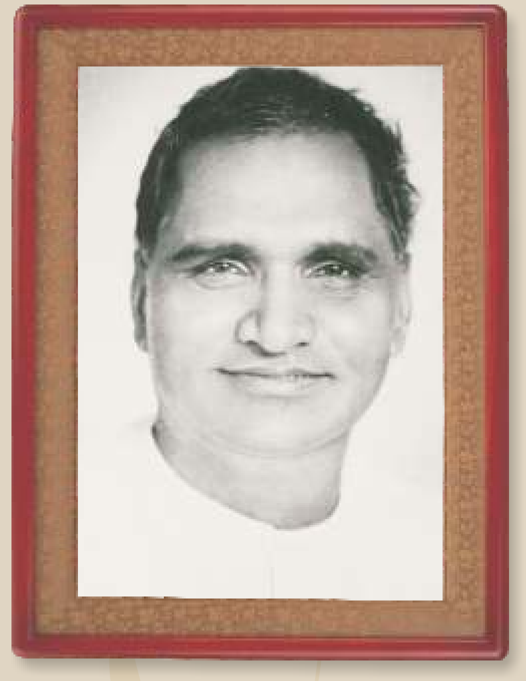

श्रीमती रतन शास्त्री

स्कूल मास्टर के मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी रतनजी की परवरिश ममता और अनुशासन के मिले-जुले वातावरण में हुई जो कि समृद्ध व्यक्तित्व के विकास के लिए सर्वथा अनुकूल था। छोटी उम्र में ही विवाह हो जाने से उनकी औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर हुई किन्तु शिक्षा इन्सान में निहित परिपूर्णता का ही प्रकट रूप है, इस दृष्टि से उन्हें शिक्षा विभूषित ही माना जाना चाहिए। इसीलिए जब उनके पति महोदय ने भूतपूर्व जयपुर रियासत के गृह एवं विदेश विभाग के प्रतिष्ठा-प्राप्त सचिव पद से त्यागपत्र देकर एक छोटे से दूर-दराज के, पिछड़े हुए गाँव में ग्रामीण पुनर्रचना के कार्य को समर्पित होना चाहा, तो रतनजी ने भी तमाम कठिनाइयों और कष्टों में उनका साथ दिया।

शहर से दूर यह छोटा-सा गाँव था बन्थली, जहाँ सिर्फ बैलगाड़ी में ही जाया जा सकता था। इस गाँव में शास्त्री दंपति ने अपनी ही जैसी लगन के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देकर अन्य गाँवों के विकास कार्य के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

1929 के उस जमाने के राजस्थान में एक मध्यमवर्गीय महिला द्वारा पर्दे के चलन को और गहनों को त्याग देना बहुत बड़े साहस का काम था। औरों के सामने आदर्श रख, उसके अनुसार कार्य करने के लिये उन्हें प्रेरित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इस प्रकार, उन कठिन दिनों में भी कई महिला कार्यकर्ता सामाजिक कार्य करने के लिये तैयार हुईं।

गाँव में जो काम शास्त्री दंपति ने आरंभ किया, उसमें खादी और आत्मनिर्भरता, साक्षरता प्रसार, डाक्टरी सहायता तथा सामाजिक एवं राजनीतिक जागरण के कार्यक्रम शामिल थे। 1929 में शास्त्री दंपति ने ग्रामीण पुनर्निर्माण तथा देश के अन्य भागों में ऐसे ही कार्यों को फैलाने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से 'जीवन-कुटीर' नामक संस्था की स्थापना की।

शास्त्री दंपति की पुत्री शांता की 12 वर्ष की छोटी आयु में असमय मृत्यु हो गई। शांता छोटे बच्चों को पढ़ाने में रुचि रखती थी, स्कूल खोलने का सपना देखती थी और इस स्कूल के लिए उसने अपने हाथों से 600 ईंटें भी बनायी थीं। रतनजी ने शांता का अधूरा सपना पूरा करने की प्रतिज्ञा कर ली।

यही है उस वनस्थली विद्यापीठ की जन्म कहानी जिसको लेकर रतनजी का नाम आज चारों तरफ पहुँचा हुआ है। महिलाओं की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की एक राष्ट्रीय संस्था के रूप में इस विद्यापीठ की स्थापना 1935 में की गयी। इस नये कार्यक्रम में व्यस्त रहते हुए भी उन दिनों श्रीमती शास्त्री ने जयपुर सत्याग्रह के संगठन में प्रमुख हिस्सा लिया।

विद्यापीठ एक ऐसा अनोखा शिक्षा केन्द्र है, जहाँ महिलाओं के लिए नर्सरी से लेकर स्नातकोत्तर शिक्षा तक की सुविधा है और भारत की बुनियादी संस्कृति एवं परंपरा को हानि पहुँचाये बगैर यहाँ लड़कियों को आधुनिक शिक्षा दी जाती है।

विद्यापीठ पूरब के आध्यात्मिक और पश्चिम के वैज्ञानिक मूल्यों के सुव्यवस्थित मेल पर बल देता है। जनतांत्रिक मूल्यों में तथा सभी धर्मों की सारभूत एकता में श्रद्धा का निर्माण करता है और राष्ट्रीय एकात्मता के भाव के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय सदिच्छा और समझ को दृढ़ करता है।

छात्रावास का सामूहिक जीवन तथा विभिन्न भाषा बोलने वाली, विभिन्न जातियों, धर्मों, संप्रदायों का पालन करने वाली छात्राओं का एक ही शिक्षा क्रम का साथ-साथ अध्ययन, अपने आप में उपयुक्त श्रद्धा पैदा करने का प्राकृतिक अवसर प्रदान करता है।

1935 में जब विद्यापीठ की स्थापना हुई थी, उस समय घर की चारदीवारी में बंद लड़कियों को विद्यापीठ में ले आना और उन्हें साधारण रूप में पढ़ाना अपने आप में बहुत भारी काम था। हालाँकि उस समय भी विद्यापीठ का उद्देश्य लड़कियों को ऐसी शिक्षा देना ही रहा, जिससे उन्हें समाज में सम्मान और समान स्थान मिल सके। अब समय के साथ बदलते संदर्भों में लड़कियों को सिर्फ सामान्य रूप से शिक्षित करने से काम नहीं चलता, बल्कि दिनोंदिन अधिकाधिक स्पर्धात्मक बनते जा रहे समाज में स्पर्धा का सामना करने की क्षमता उनमें समान रूप से पैदा करना विद्यापीठ का उद्देश्य बना है।

आधुनिक समाज में मूल्यों को लेकर संकट की जो स्थिति पैदा हो गई है, उससे विद्यापीठ भली-भाँति परिचित है। उसकी राय में इस स्थिति का सामना करने के सक्षम साधनों में से एक है शिक्षा। इसलिए छात्राओं में उचित मूल्यों के प्रति अहसास जगाने की अत्यधिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्यापीठ का पूरा शैक्षणिक प्रयास और कार्यक्रम जारी है। इसी संदर्भ में विद्यापीठ पूरब के आध्यात्मिक और पश्चिम के वैज्ञानिक मूल्यों के सुव्यवस्थित संयोग, सादा और सहज रहन-सहन तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके सामाजिक उत्तरदायित्व में संतुलन प्रस्थापित करने के प्रयास पर बल देता है।

इस तरह महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में वनस्थली का कार्य अपने आप में विशेष प्रकार का कार्य है। इसे साधारण स्वरूप का काम नहीं माना जा सकता और न ही इसे सिर्फ समाज कल्याणकारी।

भारत सरकार ने उन्हें 1955 में पद्मश्री से तथा 1975 में पद्मभूषण से सम्मानित कर उनके कार्य को गौरव प्रदान किया। 1990 में आप जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित की गयीं।

श्रीमती रतन शास्त्री का देहावसान 29 सितम्बर, 1998 को हुआ। आपका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ विद्यापीठ परिसर में 30 सितम्बर, 1998 को सम्पन्न हुआ।

Smt. Ratan Shastri

Born in middle class family of school teacher, Ratanji was brought up with that blending of affection and discipline which is congenial for the development of a rounded personality. She could get little formal education owing to her early marriage but she is a true example of education as the "manifestation of perfection already in man".

That is why when her husband resigned from the prestigious post of Secretary in Home and Foreign Department of former Jaipur State, with a view to take up a programme of village reconstruction in a small, remote backward village, she welcomed the move and stood by him amidst all the troubles and tribulations.

For seven years the Shastris made Banasthali, a very small village, far way from any town and which could be reached only by bulllock cart, their field of activity. There, they trained a group of like-minded workers for taking up similar programme in other villages.

Giving up Purdah and ornaments in the Rajasthan of those times (1929) by a middle class woman in itself was an act of great courage. Creating an example for others and persuading others to do so was a great achievement. A number of women workers thus prepared to take up work in society in those difficult days.

The programme that the Shastris took up in the village involved Khadi and self reliance, literacy and medical relief, and social and political awakening. An institution called, Jiwan Kutir was founded by the Shastris in 1929 for rural reconstruction work and for training of workers for similar work in other parts of the country.

The Shastris lost their daughter, Shanta, at the tender age of 12, Shanta had evinced a great interest in teaching young children and wanted a room for her school for which she had even prepared 600 mud bricks with her own hand. Ratanji took upon herself the task of translating Shanta's dream into reality.

This was the genesis of the Banasthali Vidyapith for which Ratanji has earned fame. The Vidyapith, a national institution for education and training of women was founded in 1935. While being busy with his newly started venture Smt. Shastri also took a leading part in organising the Jaipur Satyagraha.

The Vidyapith is a unique centre for learning, from Nursery to the Post-graduate stage, offering to girls modern education without sacrificing India's basic cultural tradition. Some of its significant aspects are mentioned below.

It emphasizes a synthesis of the spiritual and scientific values of East and West, it inculcates faith in democratic values, in the essential unity of all religions, and in fostering a sprit of national integration alongwith that of international goodwill and understanding. Community life in the hostels and studying together under a common educational programme of students speaking different languages and belonging to different casts, creeds, and religions provide a very natural environment for inculcating the above faith.

The educational thinking and programme of the Vidyapith is based on the principles of progressive education, It has developed its programme of Panchmukhi Shiksha consisting of Physical, Practical, Aesthetic, and a varied range of co-curricular activities (like : Sanganeri Printing, Clay-modelling, Papier-mache, Batik, Yogic Asanas, Swimming, Boating, Cycling, Riding, Flying, Shooting, Kathak, Manipuri, Bhartnatyam Dances), providing the students with a number of alternatives as means to their personality development.

The social, practical and productive aspects of education are equally emphasised. Work experience and social service are given their due place in the Vidyapith's educational programme.

When the Vidyapith was established in 1935 bringing out girls from secluded homes and providing them general education it was in itself a stupendous task. Even then the Vidyapith had aimed at providing the girls with an education which will enable them to secure a place of honour and equality in the society. In the changed context this means that the girls should not simply be provided with general education but should be given education which will enable them to compete on equal terms in a society which is becoming more and more competitive.

The Vidyapith is deeply conscious of the crisis of values that mark the modern society. In its view education is one of the potent instruments for trying to meet this crisis. Hence the Vidyapith's entire educational effort and programmes have in view this imperative need of creating a proper sense of values among the students. In this context it emphasizes a harmonious balance of the spiritual and scientific values of East and West, simple and natural living and an attempt to strike a balance between individual freedom and social responsibility designed to achieve the above objectives.

Thus Banasthali's work in the field of women's education has been of a special type. It cannot be classified as routine type of work. It also cannot be classified as social welfare type of work. It is a unique blending of the two types.

The Vidyapith has now been recognised as an institution deemed to be University.

Smt. Shastri has been a member of several prominent State and Central level Boards and Committees in the field of social welfare and education.

AWARDS/PRIZES, ETC RECEIVED EARLIER :
Padma Shri (1955), Padma Bhusan (1975)

श्रीमती रतन शास्त्री के सम्मान में प्रशस्ति-पत्र

शिक्षा इन्सान में निहित सद्भावना और संस्कार की परिपूर्णता का प्रकट रूप है। स्वयं औपचारिक शिक्षा से मंडित न होते हुए भी श्रीमती रतन शास्त्री ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने इस रूप का परिचय दिया है। 1935 में उनके द्वारा महिलाओं के लिए स्थापित वनस्थली विद्यापीठ, जो आज विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त कर चुका है, श्रीमती रतन शास्त्री की इसी सद्भावना, संस्कार तथा अथक लगन का दृश्य प्रतीक है।

आज से चालीस-पचास वर्ष पहले के ज़माने के राजस्थान में, लड़कियों को पर्दे से और घर की चारदीवारी से बाहर निकाल साथ-साथ बैठ कर पढ़ने के लिए प्रेरित करना अपने आप में बहुत बड़ी एवं क्रांतिकारी उपलब्धि थी। इसका आदर्श उन्होंने स्वयं पर्दा करना बंद कर और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जयपुर सत्याग्रह में भाग लेकर अन्य महिलाओं के सामने रखा।

वनस्थली विद्यापीठ अपने आरंभ से ही भारत की बुनियादी सांस्कृतिक परंपरा के तथा आज के भारतीय समाज में आधुनिक शिक्षा प्रचार के महत्त्व को समझते हुए छात्राओं के व्यक्तित्व - विकास के लिए प्रयासशील रहा है। यह विद्यापीठ नर्सरी से स्नातकोत्तर साधारण शिक्षा के अतिरिक्त ऐसी विविध गतिविधियाँ आयोजित करता है, जो छात्राओं को जीवन में आत्मनिर्भर तो बनाती ही हैं, कला के स्पर्श से उस जीवन को सुचारु एवं रोचक बना देती हैं।

आज, जब जीवन-मूल्यों को टूटते, आपस में टकराकर बिखरते देख हर इन्सान के अंदर एक बेचैनी, हताशा जन्म ले रही है, ऐसे माहौल में श्रीमती शास्त्री की पिछले चार-पाँच दशकों से चली आ रही यह प्रगतिशील प्रयास-यात्रा उनके विचार और आचार की दृढ़ता का परिचय देते हुए, आशा की रोशनी जगाती है। वनस्थली के शिक्षाक्रम में पूरब के आध्यात्मिक और पश्चिम के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के मेल का आग्रह रख, शिक्षा की जिस प्रणाली को उन्होंने प्रचलित किया है, उसके जरिए छात्राओं में जनतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रीय एकात्मता, सब धर्मों की सारभूत एकता और अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के बीज बोये जाते हैं। छात्राओं के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं के एकात्मिक विकास करने पर बल दिया जाता है, एवं उनके मन में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी जागृत की जाती है। इस परस्पर निर्भर प्रयास में श्रीमती शास्त्री के सशक्त विचार ही प्रतिबिंबित हैं।

महिला शिक्षा के क्षेत्र में दिये गये इस योगदान के अलावा श्रीमती शास्त्री ने वनस्थली ग्राम के विकास के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये, जिनमें खादी एवं आत्मनिर्भरता, साक्षरता प्रसार, डॉक्टरी सहायता आदि प्रमुख हैं।

महिला व बालकल्याण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए जमनालाल बजाज पुरस्कार हेतु श्रीमती रतन शास्त्री का चयन कर फाउण्डेशन के ट्रस्टीगण, महिलाओं का सामाजिक स्तर बढ़ाने के लिए उनके द्वारा की गयी निःस्वार्थ एवं सुनियोजित सेवा को सम्मानित कर स्वयं को धन्य मानते हैं।

Citation in Honour of Smt. Ratan Shastri

JAMNALAL BAJAJ AWARD FOR OUTSTANDING CONTRIBUTION IN THE FIELD OF UPLIFT AND WELFARE OF WOMEN AND CHILDREN

Education is interpreted as the manifestation of perfection in man. Smt. Ratan Shastri most eminently embodies this idea, though she has had little formal education. The Banasthali Vidyapith, which she founded in 1935 for promoting women's education and which has now acquired the status of a 'Deemed University', is a symbol of her noble mind, integrity and tireless devotion.

It was, indeed, a great and revolutionary achievement on the part of Smt. Ratan Shastri that, in tradition-ridden Rajasthan, she persuaded the womenfolk to discard the purdah system and come out of the four walls of their houses with a view to studying together. She set an example in this regard by discontinuing the purdah herself and taking part in the Jaipur Satyagraha during the freedom struggle.

Right from its inception the Banasthali Vidyapith rightly recognised the importance of integrating the basic cultural traditions of India with the concepts of modern education in its academic and co-curricular programmes for brining about the development of personality of its students. Apart from providing general education from the Nursery to the post-graduate level, the Vidyapith organises varied activities which not only make the female student self-reliant, but also add a touch of the finer elements of art and culture to make their lives more beautiful and meaningful.

Today, in a situation in which everyone feels restless and frustrated over the breakdown and disintegration of values, the progressive efforts of Smt. Ratan Shastri over the last five decades provide ample evidence of the firmness of her mind, character and practical conduct and also offer a ray of hope. She insisted that courses of study at Banasthali should be based on a synthesis between the spiritual approach of East and the scientific outlook of the West. This educational philosophy of hers nurtures democratic values, national integration, universal religious harmony and international goodwill in the minds of the students. Great emphasis is placed on the integrated development of the various facets of personality of the students, and equally on creating consciousness in their minds about their social responsibility. The persuit of these mutually related goals reflects the strength of Smt. Shastri's lofty vision.

Besides contributing to the cause of women's education, Smt. Shastri carried out a number of programmes for the development of Banasthali Village. Khadi and self-reliance, literacy drive, medical assistance and the like being more marked among them.

By selecting Smt. Ratan Shastri for the Jamnalal Bajaj Award for outstanding contribution in the field of uplift and welfare of women and children, the Trustees of the Foundation feel honoured to recognise her selfless and well-planned services for uplifting the social status of women.

वनस्थली विद्यापीठ
महिला शिक्षा का अनुपम संस्थान

वनस्थली विद्यापीठ एक राष्ट्रीय शिक्षण संस्था है, जहाँ छात्राओं को प्रारम्भिक शिक्षा से लेकर पीएच.डी. स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है।

यह संस्था छात्राओं को शिक्षण के लिए उचित वातावरण प्रदान करती है। वनस्थली विद्यापीठ का उद्देश्य भारतीय जीवन शैली एवं भारतीय संस्कृति के आधारभूत मूल्यों व आदर्शों के आधारभूत तथ्यों की दृढ़ नींव डालते हुए छात्राओं को जीवन-पर्यन्त उत्साही व जिज्ञासु बनने के लिए प्रेरित करना है। विद्यापीठ का लक्ष्य पूर्व और पश्चिम की आध्यात्मिक विरासत एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के समन्वय के संदर्भ में शिक्षा प्रदान करना है।

विद्यापीठ का जन्म अनेक दृष्टियों से अनूठा है। विद्यापीठ का अस्तित्व किसी शिक्षा-शास्त्री या समाज-सुधारक की निष्ठा और उत्साह का परिणाम नहीं है। न ही यह किसी दानवीर की थैली की रचना है। इसने तो एक प्रफुल्लित पुष्प (शान्ताबाई) की भस्म से निकले हुए किसी कथा के अमर पक्षी की तरह जन्म लिया है। कहना चाहिए कि यह शान्ता बाई के देहावसान से हुई अपूरणीय क्षति की स्वत: सतत पूर्ति है। उनका अनन्त प्रेम ही समस्त विचारों और कार्यो का स्रोत रहा है एवं चित्त शक्ति ही प्रेरक शक्ति रही है।

6 अक्टूबर 1935 को श्रीमती रतन शास्त्री और पण्डित हीरालाल शास्त्री (पूर्व सचिव गृह एवं विदेश मंत्रालय) ने अपनी होनहार एवं प्रतिभाशाली पुत्री शान्ता बाई के अकस्मात् निधन से हुई रिक्ति के लिए वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना की। उनकी उससे बहुत उच्च आकांक्षाएँ थीं कि वह बड़ी होकर महिलाओं को सशक्त बनाने में अपनी महत्त्वपूर्ण भागीदारी निभायेगी। प्रत्येक विद्यार्थी में शिक्षा के द्वारा सहिष्णुता और अच्छी समझ विकसित करने के लिए विद्यापीठ प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता को पहचानने में निर्देशन का कार्य भी करती है।

यहाँ छात्राओं को जिम्मेदार होना सिखाया जाता है। विद्यापीठ प्रारम्भ से ही इस बात के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है कि छात्राएँ अपनी उच्च से उच्च शैक्षिक क्षमताओं को प्राप्त करते हुए अपने व्यक्तित्व का समुचित व सर्वांगीण विकास करें।

विद्यापीठ का उद्देश्य है कि उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने हेतु ऐसे परामर्शदाता उपलब्ध करायें, जो छात्राओं के जीवन को लीक से हटाकर एक स्वतंत्र और नवीन दृष्टि प्रदान कर सके ताकि छात्राएँ अपने वातावरण और अपने से सम्पर्क में आने वालों पर अपनी अमिट छाप छोड़ सकें।

विद्यापीठ का कार्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में अपने आप में अनूठा है और यह कार्य न तो पूर्णरूपेण परम्परागत है न सामाजिक वरन् दोनों का विशिष्ट सम्मिश्रण है। विद्यापीठ की शिक्षा छात्राओं को अज्ञानता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें प्रबुद्धता की ओर अग्रसर करने का प्रयत्न कर रही है।

Banasthali Vidyapith
University for Women: University with a difference

Banasthali Vidyapith is a national institution imparting education to girls from nursery to Ph.D level.

This institution provides the perfect ambience for imparting education. Banasthali Vidyapith aims at inspiring students to be enthusiastic life-long learners and instills a firm foundation based on an understanding of Indian culture, society and values. It has formulated the aim of its educational effort in terms of harmonious synthesis of the spiritual heritage and the scientific achievement of the East and West.

The origin of Banasthali is unique in more ways than one. The Vidyapith owes its existence neither to the zeal of an educationist nor to that of a social reformer. It is also not a creation of philanthropist's purse. It has arisen like the fabled phoenix from the ashes of a blossoming flower Shantabai that had withered before its bloom. It is a spontaneous filling of the vacuum caused by Shantabai's death. Her eternal love has been the fountainhead of all the thinking and action and this spirit has been the motivating force.

It was on October 6, 1935 that Smt. Ratan Shastri and Pandit Hiralal Shastri (Former Secretary in the home and foreign department) founded Banasthali Vidyapith to fill up the vacuum caused by the sudden death of their highly talented and promising daughter Shantabai. They had a high expectation that she would work for women's cause of growing up.

Guiding each student to achieve her true potential the Vidyapith ensures that every student develops tolerance and understanding as an integral part of learning at residential schools.

Students are taught to be caring and responsible in their actions. Right from its establishment Banasthali Vidyapith strives to prepare students capable of achieving the ultimate academic potential along with shaping a well developed and complete personality.

Vidyapith aims at providing educational excellence with mentors who desire to make a difference in the lives of students by carving them into successful individuals who will make a difference to the environment and the group they are associate with.

Banasthali's work in the field of women's education has been of a special type. It can neither be classified as a routine type of work nor a social type of work but a unique blending of the two. Education at Banasthali is such that it liberates the human

पंचमुखी शिक्षा

विद्यापीठ की शिक्षा-पद्धति पंचमुखी है। छात्राओं के चहुँमुखी विकास के लिए उसने पंचमुखी शिक्षा ईज़ाद की है। जिनमें निम्नलिखित बिन्दु समाविष्ट हैं -

शारीरिक शिक्षा - विद्यापीठ के उद्भव के समय से ही शारीरिक शिक्षा, शिक्षा-कार्यक्रम का अभिन्न अङ्ग रही है। दैनिक खेलों जैसे- बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबाल, हॉकी, जूडो, रोपमल्लखम्भ आदि के अतिरिक्त घुड़सवारी, तैराकी, परेड, उड्डयन तथा भारतीय पारम्परिक खेल विद्यापीठ की विशेषता रही है।

हमारी छात्राएँ भारतीय वायुसेना में भी सेवारत हैं। छात्राएँ एयर इण्डिया, स्पाइस जेट, जेट एयरवेज में विमानचालक तथा प्रबन्धक का कार्य कुशलतापूर्वक कर रही हैं। वनस्थली विद्यापीठ ग्लाइडिंग एण्ड फ्लाइंग क्लब वैश्विक महिला उड्डयन संस्थान (iWOW) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

व्यावहारिक शिक्षा - आरम्भ से ही विद्यापीठ हस्त-कलाकौशल को महत्त्व देता रहा है। प्रायोगिक शिक्षा जैसे- शिवोरी रंगाई, पेपर मेशी, ज़रदौजी, परिधान-डिजाइन, वस्त्र-आकल्पन, ब्लाक प्रिंटिंग, वुड-क्राफ्ट, पाक कला आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही रेडियो जॉकी, टी.वी.एंकरिंग, ऑडियो वीडियो प्रोडक्शन विधाएँ भी सम्मिलित हैं। सफाई-धुलाई तथा श्रमदान जैसे कार्यों के प्रति निष्ठा उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है।

कला-विषयक शिक्षा - संगीत (गायन-वादन, सितार, सरोद, वॉयलिन, गिटार, तबला), नृत्य (कत्थक, भरत नाट्यम् मणिपुरी, राजस्थानी) व नाटक जीवन में रंग भरकर और विविध आयाम देकर उसे समृद्ध बनाते हैं। ये कलात्मक शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। पेन्टिंग्स एवं फ्रेस्को छात्राओं में सौन्दर्यबोध को विकसित करते हैं। विद्यापीठ का अपना शास्त्रीय संगीत का समृद्ध व निराला वाद्य वृन्द भी है।

नैतिक शिक्षा - नैतिकता मनुष्य के व्यक्तित्व का एक ऐसा गुण है, जो उसके विचार और क्रियाकलापों को प्रभावित करता है। इसे प्रत्यक्ष नैतिक उपदेश के द्वारा इतना सजीव तथा विकसित नहीं किया जा सकता, जितना कि जीवन के वास्तविक अनुभवों और जिम्मेदारियों को उनके साथ बाँटने से। विभिन्न वक्ताओं के द्वारा नैतिक साप्ताहिक वार्ता, सामूहिक प्रार्थना-सभाओं के द्वारा सभी धर्मों के प्रति समन्वय व सम्मानित दृष्टि विकसित करना विद्यापीठ की दैनिक चर्या में सम्मिलित है।

विद्यापीठ में नैतिक शिक्षा देने की अपनी अनूठी पद्धति है। प्रातः और सायं प्रार्थनाओं का प्रसारण होता है, जिनमें रामायण-पाठ, वेद-मंत्रों का उच्चारण, गीता-श्लोक, कुरान की आयतें, बाइबिल और गुरु ग्रन्थ साहिब के पद व भजन सम्मिलित हैं, जो कि सर्वधर्म समभाव में हमारी गहरी आस्था और विश्वास को दर्शाते हैं। सभी धर्मों के त्यौहार भी मनाए जाते हैं।

छात्राओं के व्यक्तित्व के निर्माण में विद्यापीठ का शांत व सौम्य वातावरण तथा चरित्रवान और कर्मठ कार्यकर्ताओं का जीवन महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

बौद्धिक शिक्षा - आधुनिकतम प्रौद्योगिकी एवं संसाधन से सुसज्जित कक्षा-कक्ष शिक्षण, समृद्ध पुस्तकालय, वाचनालय, शैक्षिक प्रोजेक्ट्स, छात्रा-परिषदें, वाद-विवाद समूह, छात्रा-समूह, छात्राओं की बौद्धिक क्षमता को निखारते हैं। प्रारम्भ से ही भाषा व गणित के अतिरिक्त प्राकृतिक व सामाजिक-विज्ञान का अध्ययन भी कराया जाता है। छात्राओं के बौद्धिक विकास में विश्व इतिहास के ज्ञान की महती भूमिका है। शैक्षिक भ्रमण, पर्व, मेले, विषय-आधारित प्रदर्शनियाँ, विभिन्न विषयों से सम्बन्धित एकांकी-नाटक, चार्ट्स, मॉडल्स का प्रयोग तथा छात्राओं द्वारा तैयार मल्टीमीडिया प्रेजेन्टेशन, शैक्षिक खेल आदि के माध्यम से छात्राओं को ज्ञान दिया जाता है। विद्यापीठ की शिक्षा पद्धति केवल परीक्षा पर आधारित नहीं है, वरन् यह छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास पर केन्द्रित है।

Panchmukhi Shiksha

mind from the bondage of ignorance and leads it towards enlightenment.

For all round development of the student Vidyapith has evolved a system of five fold education comprising the following aspects.

1. Physical: The Vidyapith has always accorded an important place to physical education in its educational programme.To begin with, its programme of physical education comprises indigenous games swimming, horse riding, Parade (Bulbul, Guiding, N.C.F.) gymnastics and yogic exercises, the field in which it earned a statewide reputation.

Vidyapith also established its flying club, rifle shooting etc. In flying two of our students got private pilot's license and many qualified for solo flight. The students participate in tournaments at various levels and have won not only individual prizes but also championship.

2. Practical Education: From the very beginning Vidyapith has placed proper emphasis on the practical side of our educational programme. Under practical education- Sanganery Printings, Tie and Dye, Boutique, Tailoring, Embroidery, Cooking, Craft, Paper-mache, Radio Jockey, T.V. anchor, Audio Video production etc are included. Students are encouraged to perform cleaning washing and collective Shramdaan.

3. Aesthetic: Music (vocal and instrumental), sitar, Sarod, Voilin, guitar, tabla, dance (Kathak, Bharatnatyam Manipuri, Rajasthani) and drama add colour, variety and richness to life. They are an integral part of art education. Paintings including fresco work develop an aesthetic sense among the students. We have a full – fledged orchestra of classical instrumental music & Rajasthani folk Music.

4. Moral: Morality is an all embracing quality of human personality affecting one's whole thought and action. It is developed not so much as a result of direct preaching as of sharing actual experiences and responsibility of life.

Respect for all the religions by means of collective prayers and weekly talk by guest speakers based on moral stories are regular features. The unique feature of imparting moral education is through morning and evening prayers held by relay system, which include Ramayan path, recitation of mantras from Vedas Shlokes from Gita, preaching from Quran, bible and Guru Grantha Sahib along with bhajans as we strongly believe in Sarva Dharma Samanavya.

The environment of the institution and personal examples of the staff are also a powerful influence in moulding the character of students. Festivals of all religions are celebrated.

5. Intellectual: Class room teaching, efficient library and reading room service, educational projects, students associations and debating societies including student's parliament help in the intellectual development of the Vidyapith students.

Other than language and Mathematics natural and social sciences are taught right from the beginning. Knowledge of world history also occupies a key position in the intellectual development of the Vidyapith students.

Educational tours, festivals, fairs, theme based exhibitions, one act plays related to different subject, use of charts, multimedia presentation prepared by students as well and educational games are some of the ways of imparting knowledge to students. Our system of imparting knowledge is not exam oriented but focuses on the development of overall personality of a child.

वतन्त्रता दिवस

गांधी जयन्ती
प्रश्नोत्तरी
सत्य
अहिंसा
सत्याग्रह

मंगलकामनासमारोह

बाल मेला
सृजनांकुर

BANASTHALI VIDYAPITH
1 RAJ GIRLS BN, NCC
BANASTHALI VIDYAPITH
जनजातीय गौरव दिवस

विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम

वर्तमान विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम के निम्नलिखित चरण हैं -

स्तर - कक्षा

पूर्व प्राथमिक - शिशु

प्राथमिक - 1 से 5

माध्यमिक - 6 से 10

उच्चतर माध्यमिक - 11 से 12 (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय)

छात्र-विद्यालय (शाकुन्तलम्) - 5 से 12 (केवल कार्यकर्ताओं के बच्चों के लिए)

विशेष कक्षा - उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों से आई हुई छात्राओं को हिन्दी भाषा में दक्ष बनाने के लिए विशेष कक्षाओं की व्यवस्था है। जिससे आने वाले समय में ये छात्राएँ हिन्दी भाषा में निपुण होकर अच्छे संस्थानों में अपना स्थान बना पाएँ।

मुख्य विद्यालयी शैक्षिक गतिविधियाँ

विद्यालय का यह विश्वास है कि छात्राओं के बहुमुखी विकास के लिए पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है इसलिए पंचमुखी शिक्षा के कार्यक्रमों से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विद्यापीठ में होने वाली गतिविधियों का मुख्य दृष्टिकोण छात्राओं में शारीरिक, व्यावहारिक, कलात्मक, नैतिक और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित एवं विकसित करना है।

प्रात: कालीन प्रार्थना सभा

विद्यालय की शुरुआत प्रात: कालीन प्रार्थना 'सा विद्या या विमुक्तये' से आरम्भ होती है। इसमें छात्राएँ बदलते क्रम से, आज का विचार, श्लोक गायन, प्रमुख दैनिक समाचार तथा नवीन जानकारियाँ, तथ्यों व नवीन आविष्कारों से सभी को अवगत कराती हैं।

छात्रा-संघ

जनतंत्रात्मक समाज में रहने के कारण हमारा यह विशेष दायित्व है कि हम अपनी छात्राओं को कुछ व्यवस्थाएँ सौंपकर उन्हें उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराएँ। इसी संदर्भ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, तथा कुछ मंत्रियों को चयनित कर उन्हें अनुशासन तथा सांस्कृतिक गतिविधियों आदि की जिम्मेदारी सौंपी जाती हैं।

सदन व्यवस्था

यह व्यवस्था छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए एक प्रभावशाली सोपान है। छात्राओं को शैक्षिक, सांस्कृतिक व बाह्य गतिविधियों के लिए आठ सदनों में बाँट दिया जाता है। सच्ची खेल भावना और प्रतिस्पर्धा को विकसित करने के लिए इन सदनों के मध्य अन्त: परिसर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन सदनों का अपना स्टाफ और कप्तान हैं, जिनका विश्वास है कि सदस्यों में आपस में जिम्मेदारियाँ वितरित करने से जिम्मेदारी की भावना, स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना तथा आपसी समझ का वातावरण उत्पन्न होता है।

बौद्धिक गतिविधियाँ

सांस्कृतिक गोष्ठियों में नाटक, वाद-विवाद, भाषण, कविता-पाठ, कहानी सुनाना, सुलेख, गणितीय प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। ये प्रतियोगिताएँ नवीन व शिक्षाप्रद होने के कारण हमारे पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाती हैं। शिक्षा में हिन्दी माध्यम होने के बावजूद अंग्रेजी भाषा को भी समान महत्त्व दिया जाता है। चारों कौशल- सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के विकास के लिए छात्राओं को दृश्य-श्रव्य सामग्री व विभिन्न शैक्षिक खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। शिक्षण को प्रभावी बनाने एवं छात्राओं को स्वस्थ व प्रसन्नचित्त वातावरण उपलब्ध कराने, रुचि जाग्रत करने, तथा तथ्यों के स्पष्टीकरण के लिए आधुनिक शैक्षिक तकनीकों का प्रयोग किया जाता है।

प्रदर्शनी

विषयाधारित प्रदर्शनियों के माध्यम से समय-समय पर छात्राओं की छुपी प्रतिभा व सृजनात्मकता को निखारने के लिए उन्हें एक मंच प्रदान किया जाता है। इन्हें देखने के लिए छात्राओं तथा वनस्थली के कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त उनके अभिभावकों की भीड़ भी उमड़ पड़ती है। प्रदर्शनियों को हमेशा ही प्रशंसनीय सफलता प्राप्त होती है।

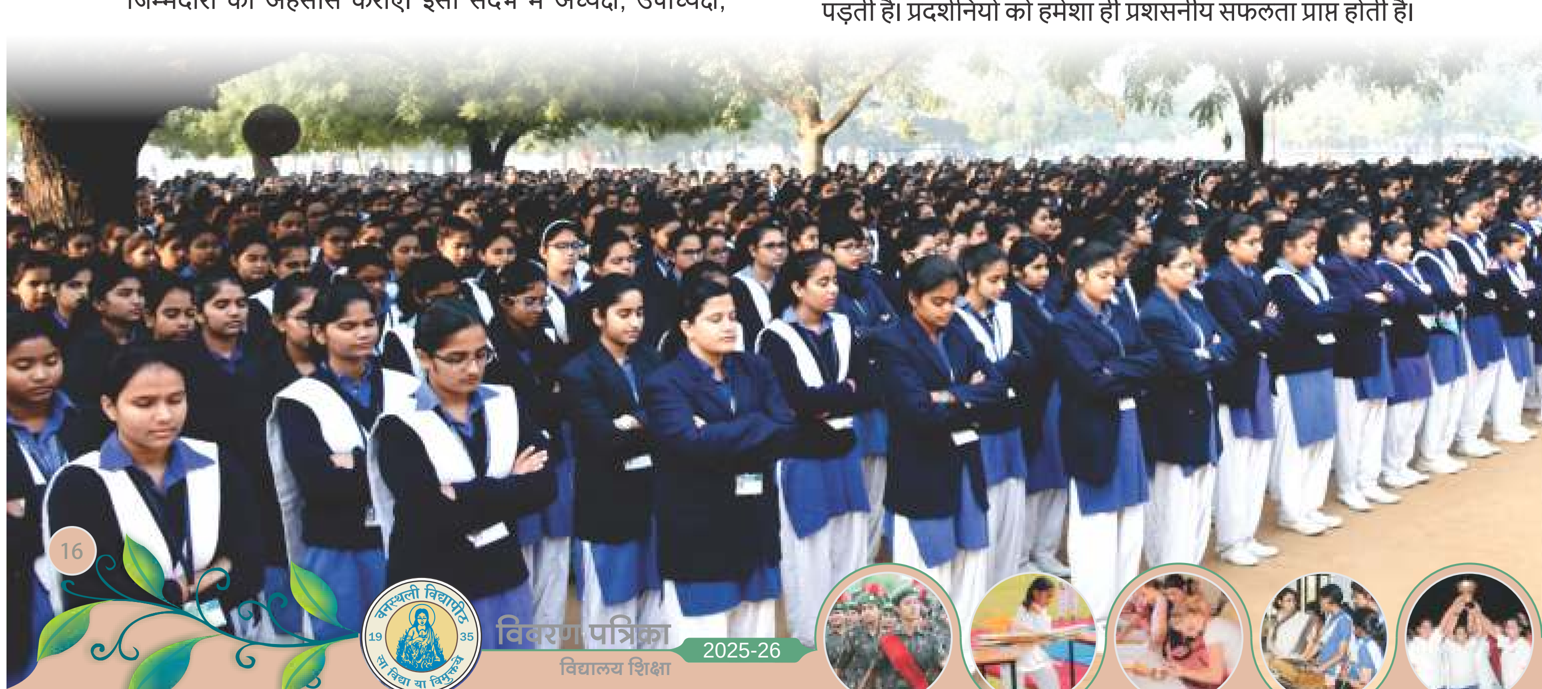

School Education Programme

Current school education programme comprises the following stages.

Level : Class

Pre – primary : Nursery

Primary : 1 to 5

Secondary : 6 to 10

Senior secondary : 11 to 12 (Humanities, Science and Commerce)

Boys' school : 5 to 12 (Only for staff wards)

Special class: It is arranged for students coming from different states of Northeast region with an aim to make them conversant and competent in Hindi. In the long run these students become well versed in Hindi and are placed in good institutions.

Major school activities

The school firmly believes that textual studies are not enough for holistic development of a child, therefore it provides a spectrum of in house activities through its programme of Panchmukhi shiksha. The main thrust of activities at the Vidyapith is visualized to promote the development of the students including physical, practical, aesthetic, moral and intellectual aspects.

Morning Assembly

A few minutes are spared in the morning assembly time every day and students by rotation give the thought for the day, shloke recitation, important news of the day and impart some information about educational facts and recent discoveries.

Students' council

If we are to live in a democratic community we

must permit our students to have the experience of governing some of their own affairs. Hence, there is a duly constituted organization of students called Bal-Samiti with some office bearers-president, vice-president and a few ministers to look after discipline, cultural activities and so on.

House System

The house system is an effective step for the personality development of the student. The entire students population is distributed into eight houses for academic, cultural and outdoor activities. Inter house competitions are organized to inculcate the spirit of competition as well as sportsman spirit.

The houses have staffs and captains and it believes in delegating responsibilities among members to develop a sense of responsibility, a spirit of healthy competition and an atmosphere of friendly maturity.

Intellectual activities

The cultural symposium includes dramatics, debates, speech, recitation, story telling, hand

पर्व व मेले

छात्राओं के द्वारा राष्ट्रीय पर्व - गांधी जयन्ती, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाये जाते हैं। भारतीय संस्कृति को प्रकट करने वाले विभिन्न धार्मिक पर्व बड़े उत्साह से मनाये जाते हैं। रक्षा बन्धन के उपलक्ष्य में 'राखी प्रतियोगिता', सावन की तीज के उपलक्ष्य में मेहन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है।

जन्माष्टमी के अवसर पर छात्राओं द्वारा श्री कृष्ण लीला की मनमोहक झांकियाँ आयोजित की जाती हैं। हिन्दी दिवस पर बाल-कवि सम्मेलन और कुछ प्रसिद्ध एकांकी नाटकों का मंचन किया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्कृत दिवस, विज्ञान दिवस, गणित-विज्ञान सप्ताह, पोषण सप्ताह आदि भी आयोजित किए जाते हैं।

उपलब्धियाँ

बाह्य संगठनों द्वारा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में उपलब्धियाँ- कला और निबन्ध लेखन आदि के क्षेत्र में विभिन्न स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अन्तर-राष्ट्रीय स्तरों पर होने वाली प्रतियोगिताओं में विद्यालय निरन्तर छात्राओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारी छात्राएँ इन सभी स्तरों पर अच्छा प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक, पुस्तक पुरस्कार, मेरिट योग्यता प्रमाण पत्र आदि प्राप्त करती हैं।

विद्यालय ने लगातार इन प्रतियोगिताओं में विजय हासिल की है।

विद्यालयी पत्रिकाएँ

'किलकारी', 'तरंग' व 'उड़ान' विद्यालय से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाएँ हैं जिनमें छात्राएँ अपने अनुभवों, विचारों और भावनाओं को कविताओं, कहानियों एवं चित्रों के रूप में प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मक शक्ति का परिचय देती हैं। ये पत्रिकाएँ विद्यालय का सम्पूर्ण दर्पण हैं।

पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाएँ

छात्राओं को अच्छे से अच्छा साहित्य व सामग्री उपलब्ध कराने के लिए समृद्ध व सम्पन्न पुस्तकालय हैं। प्रत्येक विद्यालय में लगभग 62,000 से अधिक पुस्तकें हैं। जिनमें शब्दकोश, विश्वकोश, संदर्भ पुस्तकें, पाण्डुलिपि, पौराणिक साहित्य, विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाएँ शामिल हैं। छात्राओं को विद्यालयी समय के बाद भी पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। छात्राओं में स्वाध्याय तथा ज्ञान के विस्तार के लिए पुस्तकालय प्रयोग को प्रेरित किया जाता है।

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक तकनीकी का आगमन वरदान साबित हुआ है। इस क्षेत्र में हमारा विद्यालय भी कम नहीं है। हमारे यहाँ मल्टीमीडिया प्रेजेन्टेशन, उच्च तकनीकी से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। अंग्रेजी भाषा शिक्षा के लिए प्रयोगशाला तथा गणित विषय की प्रयोगशालाएँ हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे विज्ञान विषय की छात्राओं के लिए आधुनिक तकनीकी व उपकरणों से सुसज्जित - भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान विषय की प्रयोगशालाएँ हैं, जो छात्राओं की सीखने की इच्छा को पूर्ण तृप्त करती हैं। गृह विज्ञान विषय में भी मानव विकास, गृह प्रबन्ध, आहार एवं पोषण की आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं। साथ ही संगीत नृत्य एवं चित्रकला की साधन सम्पन्न प्रयोग शालाएँ हैं। कम्प्यूटर विज्ञान की साधन सम्पन्न प्रयोगशाला में प्रत्येक छात्रा को व्यक्तिगत रूप से कार्य करने की सुविधा है।

खेल व्यायाम

विद्यापीठ में खेल बड़े उत्साहपूर्वक खेले जाते हैं। कर्मठ और समर्पित प्रशिक्षकों के द्वारा विभिन्न खेलों का दिया गया प्रशिक्षण खेल मैदान पर स्पष्ट झलकता है। जिसे नजर अन्दाज करना मुमकिन नहीं। परम्परागत भारतीय व आधुनिक खेलों का कठोर प्रशिक्षण दिया जाता है - आधुनिक खेलों में घुड़सवारी, तैराकी, वायुयान उड़ान (फ्लाइंग), बंदूक चलाना (राइफल शूटिंग), गाइडिंग, एन.सी.सी. बॉस्केट बॉल, वॉली-बॉल, बैडमिन्टन, टेबिल-टेनिस, हॉकी, लॉन टेनिस, क्रिकेट, हैण्ड बॉल, सॉफ्टबॉल, थ्रो बॉल, एथलेटिक्स (ट्रेक एण्ड फील्ड), एरोबिक्स, मार्शल आर्ट आदि सम्मिलित हैं। भारत के परम्परागत खेलों में योग, खो-खो, कबड्डी, लेज़ियम, डम्बल्स, लाठी, तलवार, भाला आदि शामिल हैं।

शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रमों के तहत छात्राओं को अन्त: परिसर प्रतियोगिता व बाह्य परिसर में विभिन्न स्तरों पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

संक्षेप में विद्यापीठ पर्याप्त भौतिक संसाधन, सुविधाओं, सुप्रशिक्षित कार्यकर्ताओं एवं आधुनिक तकनीक से सुसज्जित ऐसा स्थान है जहाँ छात्राओं को सर्वोत्कृष्ट वातावरण प्रदान किया जाता है।

विद्यालय में एक बच्चे को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए सावधानी पूर्वक तैयार किया जाता है।

writing, math's quiz, and science quiz. These activities are meaningfully organized with a range of competitions. The competition being novel and educative strengthens the curricular programme.

Though the medium of instruction is Hindi, English enjoys a prominent place in school division. Facilities for developing the four skills namely reading, writing, speaking and listening are being provided to the students through various educational games. Keeping the students in good humour and to inculcate desired interest in studies with clarity of concepts, modern techniques in education are used.

Exhibition

To provide a platform to bring forward the creativity and talent of the children to explore the hidden talents of the students, theme based exhibitions are put up by the students regularly. Parents along with staff throng the premises of the school. The exhibition is always a resounding success.

Festivals and Fairs

As far as festivals are concerned students celebrate all the national and religious festivals like Gandhi Jayanti, Independence Day, Republic Day and so on with great enthusiasm. Raksha Bandhan is celebrated by having on the spot Rakhi Making competition.

Janamasthami is celebrated with tableau presentation on the birth and life history of Lord Krishana. Even Hindi Divas is observed by the students with the recitation of poems of great poets known as Bal-kavi Sammelan and some famous

one-act plays are staged. Other activities also hold a key position which includes celebration of Hindi Saptah, Sanskrit Diwas, World Maths Day, World Science Day and Nutrition Week.

Achievements

Achievements in national and international level competitions organized by outside agencies -

The school regularly sponsors its students to various local, state, regional, national and international level competitions in art, essay writing etc. Our students come out with flying colours winning gold medals, silver medals, bronze medals, book prize and merit award certificate. The school has an enviable track record of award winning performances.

School Magazine

'Kilkari', 'Tarang' & 'Udaan' the school magazines are in circulation, which reveals the characteristics of the whole school students and the teachers, it is a portrait of the school hence every effort is made to produce an authentic image. Interest for writing is stimulated and students exhibit their feelings, emotions and creativity in the form of fables, poems and paintings.

Library and laboratories

To provide the students with the very best literature and reference the school has a well stocked library with a repository of more than 62,000 books at each wing with encyclopedias, dictionaries, reference books, manuals, classics, journals etc. The library is accessible even after school hours for the students for reference work. The library also has a wide range of magazines and periodicals and students are encouraged to develop reading habits to enrich their knowledge and improve vocabulary.

In the present age the advent of educational technology has proved a boon for education. In this matter our school is not lagging behind as we have hi-tech labs for multimedia presentation, english language laboratory and mathematics laboratory.

The school can also boast of well equipped science laboratories in Physics, Chemistry and Biology to satiate the desire for learning for science scholars. There are well equipped Home Science laboratories in child development home management and food and nutrition.

Games and sports

Sport is being enthusiastically persuaded at Banasthali Vidyapith. Excellent sports facilities and the services of dedicated coaches in different disciplines have made the school sports contingents a formidable force on the play field. Strenuous training is provided in various modern and traditional Indian games. The activities include equestrian, swimming, flying rifle shooting, basketball, volleyball, badminton, table tennis, hockey, lawn tennis, cricket, hand ball, soft ball, throw ball, athletic (track and field) aerobics, martial art under modern games and yoga, kho-kho, kabaddi, lezium, dumbbells, lathi, talwar, bhala etc, under the traditional sports activities of India.

The programmes of physical education provide opportunities to participate in various competitions inside campus as intramurals and also at the national/state/district as extra mural competition.

In a nutshell Banasthali Vidyapith with its adequate infrastructure, educational facilities and well trained staff abreast with the latest technology is a place where the child can get the best. A child at the school is meticulously moulded to face challenges of the twenty first century.

शैक्षिक कार्यक्रम

(अ). विद्यालयी शिक्षा

1. प्रारम्भिक शिक्षा

विद्यालय में शिक्षा का **माध्यम हिन्दी** है। परन्तु अंग्रेजी माध्यम से पढ़कर आने वाली छात्राओं के साथ हम सहयोग करते हैं।

शिशु कक्षा की पढ़ाई बाल मन्दिर व कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई सरस्वती मंदिर में होती है।

कक्षा 1 से 8 तक निम्नलिखित विषय पढ़ाए जाते हैं :

(क) कक्षा 1 व 2

1. हिन्दी 2. गणित 3. अंग्रेजी 4. संगीत 5. चित्रकला

(ख) कक्षा 3 से 5 :

1. हिन्दी 2. गणित 3. अंग्रेजी 4. पर्यावरण अध्ययन 5. संगीत 6. चित्रकला 7. पाक-शिक्षा 8. उद्योग 9. कम्प्यूटर से परिचय

(ग) कक्षा 6 से 8 तक

1. हिन्दी 2. गणित 3. संस्कृत 4. अंग्रेजी 5. सामाजिक विज्ञान 6. सामान्य विज्ञान 7. गृह विज्ञान 8. ललित कला-संगीत (गायन, सितार)/चित्रकला/नृत्य (कत्थक, मणिपुरी, भरतनाट्यम्) 9. उद्योग 10. कम्प्यूटर से परिचय

2. सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी शिक्षा

कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई का कार्य शारदा मंदिर में होता है। इन कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम हिन्दी है परन्तु अंग्रेजी माध्यम से पढ़कर आने वाली छात्राओं के साथ भी हम सहयोग करते हैं। सैकण्डरी स्कूल शिक्षा का पाठ्यक्रम दो वर्ष का है। कक्षा 9 के अध्ययनोपरान्त सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट भाग प्रथम और कक्षा 10 के अध्ययनोपरान्त सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट भाग द्वितीय का सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। इसी प्रकार सीनियर सैकण्डरी स्कूल शिक्षा का पाठ्यक्रम भी द्विवर्षीय है। कक्षा 11 के अध्ययनोपरान्त सीनियर सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट भाग प्रथम और कक्षा 12 के अध्ययनोपरान्त सीनियर सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट भाग द्वितीय का सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।

(क) सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

कक्षा 9 व 10 में निम्नलिखित विषय पढ़ाये जाते हैं, जिनमें सभी अनिवार्य हैं :

1. हिन्दी 2. अंग्रेजी 3. संस्कृत 4. गणित 5. सामाजिक विज्ञान 6. सामान्य विज्ञान 7. गृह विज्ञान 8. ललित कला संगीत (गायन-वादन-सितार) /चित्रकला/नृत्य (कत्थक, मणिपुरी, भरतनाट्यम) 9. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एवं अनुप्रयोग 10. शारीरिक शिक्षा 11. समाज सेवा

(ख) सीनियर सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

कक्षा 11 व 12 में निम्नलिखित विषय पढ़ाये जाते हैं :

(1) कला समूह :

छात्रा को नीचे दिये गये **प्रत्येक समूह** में से कोई **एक वैकल्पिक विषय** लेना अनिवार्य होगा :

प्रथम समूह : 1. हिन्दी साहित्य 2. शारीरिक शिक्षा 3. अर्थशास्त्र 4. गृह विज्ञान

द्वितीय समूह : 1. भूगोल 2. राजनीति विज्ञान 3. अंग्रेजी साहित्य* 4. संगीत (गायन/वादन)/नृत्य (कत्थक)

तृतीय समूह : 1. इतिहास 2. चित्रकला 3. संस्कृत 4. गणित**

अनिवार्य विषय : 1. हिन्दी 2. अंग्रेजी 3. कम्प्यूटर विज्ञान

*अंग्रेजी साहित्य वे ही छात्राएँ ले सकेंगी जिन छात्राओं के पास दसवीं कक्षा में भी अंग्रेजी विषय रहा है तथा भाषा अभिव्यक्ति की योग्यता की जाँच में सफल हो सकेंगी।

**गणित विषय वही छात्राएँ ले सकेंगी जिन छात्राओं ने 10वीं कक्षा में भी गणित

Academic Programmes

(A). School Education

1. Elementary Education

Medium of instruction is Hindi in school. However we cooperate with the students coming from English medium schools.

Nursery classes are held at Bal Mandir and classes 1 to 8 are held at Saraswati Mandir. The following subjects are taught from class 1 to 8.

(a) Class 1 to 2

1. Hindi 2. Maths 3. English 4. Music 5. Drawing

(b) Class 3 to 5

1. Hindi 2. Maths 3. English 4. Environmental Studies 5. Music 6. Drawing 7. Cooking 8. Craft 9. Introduction to Computer

(c) Class 6 to 8

1. Hindi 2. Maths 3. Sanskrit 4. English 5. Social Studies 6. General Science 7. Home Science 8. Fine Art :Music (Vocal/Sitar)/Drawing/ Dance (Kathak/Manipuri/Bharatnatyam) 9. Craft 10. Introduction to Computer

2. Secondary Education

Classes 9 to 12 are held at Sharda Mandir. The medium of instruction in these classes is Hindi. However we cooperate with the students coming from English medium schools. Secondary and Senior secondary education is for two years. After completing class 9 a student gets a certificate of Secondary School Certificate part I and Secondary School Certificate part II after completing class 10. Similarly Senior Secondary School certificate part I for class 11 and Senior Secondary School Certificate Part II for class 12.

The following subjects are taught for the Secondary School Certificate Part I and II (A)

Secondary (Class IX & X).

1. Hindi 2. English 3. Sanskrit 4. Mathematics 5. Social Sciences 6. General Science 7. Home Science 8. Fine Art : Music (Vocal/ Instrument - Sitar)/Dance (Kathak, Manipuri and Bharatnatyam)/ Drawing & Painting 9. Computer Programming and Application 10. Physical Education 11. Social Service

(B) Senior Secondary School Certificate Examination (Class XI & XII)

(I) Humanities Group

The students have to choose only one optional subject from each subject group given below :

Group I: 1.Hindi Literature 2.Physical Education 3.Economics 4. Home Science

विषय पढ़ा है तथा निश्चित किये गये न्यूनतम अंक प्राप्त किये हैं। **कक्षा में निर्धारित सीटों के आधार पर प्रवेश दिया जा सकेगा।**

(2) विज्ञान समूह

छात्रा को नीचे दिये गये **प्रत्येक समूह** में से कोई **एक समूह** लेना होगा :

प्रथम समूह : 1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. जीव विज्ञान 4. हिन्दी 5. अंग्रेजी 6. कम्प्यूटर विज्ञान

द्वितीय समूह : 1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4. हिन्दी 5. अंग्रेजी 6. कम्प्यूटर विज्ञान

तृतीय समूह : 1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. जीव विज्ञान 4. गणित 5. हिन्दी अथवा अंग्रेजी

चतुर्थ समूह : 1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. जीव विज्ञान 4. भूगोल 5. हिन्दी अथवा अंग्रेजी

पंचम समूह : 1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4. भूगोल 5. हिन्दी अथवा अंग्रेजी

(3) वाणिज्य समूह

छात्रा को नीचे दिये गये **प्रत्येक समूह** में से कोई **एक समूह** लेना होगा :

प्रथम समूह : 1. लेखा शास्त्र 2. व्यावसायिक अध्ययन 3. अर्थशास्त्र 4. हिन्दी 5. अंग्रेजी 6. कम्प्यूटर विज्ञान

द्वितीय समूह : 1. लेखा शास्त्र 2. व्यावसायिक अध्ययन 3. गणित 4. हिन्दी 5. अंग्रेजी 6. कम्प्यूटर विज्ञान

तृतीय समूह : 1. लेखा शास्त्र 2. व्यावसायिक अध्ययन 3. गणित 4. अर्थशास्त्र 5. हिन्दी अथवा अंग्रेजी

2. यूनिवर्सिटी शिक्षा

(i) बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम : बी.ए., बी.बी.ए., बी.कॉम., लॉ, बी.सी.ए., बी.एससी., बी. एससी. (कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रोनिक्स, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स), बी.एससी. (बॉयो टेक्नोलॉजी, केमेस्ट्री, बोटनी, जूलॉजी, जियोलाजी), बी. एससी. (होम साइंस), शास्त्री (वैदिक अध्ययन), बी.एससी.बी.एड/बी.ए.बी.एड.,बी.एड. /बी.एड. (एनरिच्ड), बी.टेक., बी. फार्मा., बी. आर्क., बी.डेस, बेचलर ऑफ आर्ट्स-जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन, बी.एससी. नर्सिंग

(ii) मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम

1. **एम.ए.** - हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग, भारतीय संगीत (गायन / वादन), नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम), टेक्सटाइल डिजाइनिंग, भूगोल, मनोविज्ञान

Group II: 1.Geography 2.Political Science 3. English Literature* 4. Music (Instrumental or Vocal)/ Dance (Kathak)

Group III: 1.History 2.Drawing 3. Sanskrit 4. Mathematics**

Compulsory Subjects : 1. Hindi 2. English 3. Computer Science

* Only those students will be offered English as an optional subject who have had this subject at the secondary level and have qualified an aptitude test held for it after their admission.

** Only those students will be offered Mathematics who have qualified the decided cut off for the session. Student will be offered the subject only on the basis of number of seats allocated.

(ii) Science Group:

The Students have to choose any **one group** from the **following subject groups given below :**

Group I: 1. Physics 2. Chemistry 3. Biology 4. Hindi 5. English 6. Computer Science

Group II: 1. Physics 2.Chemistry 3. Mathematics 4. Hindi 5. English 6. Computer Science

Group III: 1. Physics 2.Chemistry 3. Biology 4. Mathematics 5. Hindi or English

Group IV: 1. Physics 2. Chemistry 3. Biology 4. Geography 5. Hindi or English

Group V: 1. Physics 2. Chemistry 3. Mathematics 4. Geography 5. Hindi or English

(iii) Commerce Group:

The Students have to choose any **one group** from the **following subject groups given below :**

Group I: 1. Accountancy 2. Business Studies 3. Economics 4. Hindi 5. English 6. Computer Science

Group II: 1. Accountancy 2. Business Studies 3. Mathematics 4. Hindi 5. English 6. Computer Science

Group III: 1. Accountancy 2. Business Studies 3.Mathematics 4. Economics 5. Hindi or English

2. मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)
3. मास्टर ऑफ मेनेजमेन्ट (एम.बी.ए.)
4. मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.)
5. एम.एससी. - फिज़िक्स, कैमेस्ट्री, बायोसांइस, बायोटेक्नोलॉजी, एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोटेक्नोलोजी, बायो इन्फोर्मेटिक्स, कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रोनिक्स, गणितीय विज्ञान (प्योर मैथेमेटिक्स/ थ्योरेटिकल कम्प्यूटर साइंस/ऑपरेशन्स रिसर्च/ स्टेटिसटिक्स), भूगर्भ विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, डाटा साईन्स
6. एम.एससी. - होम साइंस (ह्यूमन डेवलपमेंट, फूड साइंस एण्ड न्यूट्रीशन, क्लोदिंग एण्ड टैक्सटाइल)
7. एलएल.एम.
8. मास्टर ऑफ एजूकेशन (एम.एड.)
9. एम.फार्म. (फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री, फार्मास्यूटिक्स, फार्माकोलॉजी)
10. एम.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/वी.एल.एस.आई डिजाइन/ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी/रिमोट सेन्सिंग/बायोटेक्नोलॉजी/ बायोइन्फोर्मेटिक्स/ केमिकल इन्जिरियरिंग/नेनो टेक्नोलॉजी/आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस/रोबोटिक्स एण्ड ऑटोमेशन)
11. एम. डेस.

(iii) डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(1) डिप्लोमा कोर्स - संस्कृत (वैदिक अध्ययन) (2) डिप्लोमा / एडवान्स्ड डिप्लोमा कोर्स (फ्रेंच / जर्मन) (3) उत्तमा (कत्थक / मणिपुरी नृत्य) (4) निष्णात (कत्थक / मणिपुरी नृत्य) (5) संगीत (गायन / वादन) (6) एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स-''इन्टरनेट एण्ड वेब एप्लीकेशन्स'' (7) एडवान्स्ड डिप्लोमा - नेटवर्किंग।

(v) सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

(1) संस्कृत (वैदिक अध्ययन) (2) फ्रेंच / जर्मन (3) नृत्य (कत्थक / मणिपुरी/ भरतनाट्यम) (4) संगीत (गायन / वादन) (5) इंग्लिश फॉर कनवर्सेशन (6) स्टेटिसटिकल टेक्नीक्स (7) सर्टिफिकेट कोर्स - कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एण्ड एप्लीकेशन्स (8) सर्टिफिकेट कोर्स - ई कॉमर्स।

(vi) शोध (रिसर्च)

हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, होम साइंस (चाइल्ड डवलपमेंट/फूड्स एण्ड न्यूट्रीशन/क्लोदिंग एण्ड टैक्सटाइल), चित्रकला, संगीत, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रोनिक्स, गणित, भौतिक विज्ञान, बायोसाइंस, बायोटेक्नोलॉजी, शिक्षाशास्त्र, मेनेजमेंट, शारीरिक शिक्षा, फार्मेसी ।

2. University Education

B.A./B.A. (Hons.)/B.A. (Hons. with Research)# (Hindi, Sanskrit, English, Music (Vocal/ Instrumental: Sitar/Violin,Tabla), Dance (Kathak/Bharatnatyam), Dramatic Art (Theater), Drawing & Painting, Textile Designing, Home Science, Economics, Sociology, Political Science, History, Public Administration, Geography, Psychology, Mathematics, Statistics, Applied Statistics, Computer Application, Management, French#.)

B.Sc./B.Sc. (Hons.)/B.Sc. (Hons. with Research)# (Physics, Chemistry, Mathematics, Biotechnology, Botany, Zoology, Geology, Microbiology# Geography, Computer Science, Electronics, Statistics)

B.Sc. (Aviation Science)/B.Sc. (Aviation Science) (Hons.)

Bachelor of Computer Applications

BCA/BCA Hons./BCA Hons. with Research)#

Bachelor of Business Administration

BBA/BBA Hons./BBA Hons. with Research#

Bachelor of Commerce

B. Com./B.Com. Hons/B.Com. Hons. with Research#

B. Sc. (Home Science)/B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research#

B. Sc. (Home Science) Food Science and Nutrition/B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research#)

B.Tech. (Computer Science and Engineering, Computer Science - Artificial Intelligence, Electronics and Communication, Electronics and Instrumentation, Electrical and Electronics, Mechatronics, Information Technology, Biotechnology, Chemical Engineering, Electronics Engg-VLSI Design and Technology)

Bachelor of Architecture (B.Arch.)

Bachelor of Design (B. Des.) (Fashion & Life Style Design, Communication Design, Industrial Design)

Bachelor of Arts Journalism and Mass Communication (BA-JMC)/BA-JMC Hons./BA-JMC Hons. with Research#

Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)

Bachelor of Nursing

B.A. LL.B.

B.B.A. LL.B.

B.Com. LL.B.

B.Ed.

B.A. B.Ed.

B.Sc. B. Ed.

M.A. (Economics, History, Political Science, Sociology, Psychology, Geography, Sanskrit, Hindi, English, Drawing and Painting, Music (Vocal/Instrumental: Sitar/Violin/ Sarod/ Santoor), Dance (Kathak/ Bharatnatyam), Dramatic Art (Theatre), Textile Designing (Weaving/ Printing), Journalism and Mass Communication, Mathematics, Statistics, Operation Research.

Master of Arts (Journalism & Mass Communication)

Master of Social Work (MSW)

M.Sc. (Physics, Chemistry, Computer Science, Data Science, Mathematics, Statistics, Bio-Sciences (Animal Science/Plant Science), Biotechnology, Bio-Informatics, Electronics, Applied Microbiology & Biotechnology, Microbiology#, Operations Research, Geography, Geology, Environmental Science.

M. Sc. (Home Science) (Human Development, Foods Science & Nutrition, Clothing & Textile)

M. Des.

Master of Education (M. Ed.)

Master of Computer Applications (MCA)

PGDCA/Bridge Course

Master of Business Administration (MBA)

Master of Commerce (M.Com)

Master of Laws (LL.M.)

M. Pharm (Pharmaceutical Chemistry/ Pharmaceutics/ Pharmacology)

M.Tech. (Computer Science/Artificial Intelligence/Robotics & Automation/VLSI Design/ Information Technology/Remote Sensing/ Biotechnology/Chemical Engineering)

Ph.D. Automation, Aviation, Bio-Science and Bio-Technology, Chemical Engineering, Chemistry, Commerce and Banking, Computer Science, Design, Earth Sciences, Economics, Education, Electronics, English, Hindi, History, Home Science, Journalism and Mass Communication, Legal Studies, Management, Mathematical Science, Performing Arts, Pharmacy, Physical Education, Physics, Political Science, Psychology, Sanskrit, Sociology, Visual Arts.

Certificate & Diploma Programmes*

- P. G. Diploma in Women & Human Rights
- Certificate/Diploma/Advanced Diploma Sanskrit (Vedic Studies)
- Diploma in Computer Hardware & Maintenance†
- Diploma Internet & Web Application†
- Diploma in .Net (C#, ASP. NET)
- PG Diploma in Archival Studies and Record Management
- Certificate & Diploma in Actuarial Science
- Diploma in Broadcast Journalism (Radio)
- Diploma in Audio Engineering
- Certificate Course in Computer Programming & Applications
- Advanced Diploma in Networking†
- Certificate Course in E-Commerce
- Shastri
- Certificate Diploma and Advanced Diploma in German† and French†
- Certificate and Diplomas in Kathak, Manipuri and Bharatnatyam Dances
- Certificate and Diplomas in Music Vocal and Instrumental (Sitar, Sarod, Violin, Indian Classical Guitar, Tabla)
- Certificate and Diploma in Rajasthani Folk Dance and Manipuri Folk Dance
- Certificate Course on 'Statistical Techniques' and Applications'
- Certificate Course on IT Localization
- Certificate Course in Radio Production (Rjing & Anchoring)
- Certificate in German for conversation (Elementary/Advanced)
- Certificate in English for conversation (Elementary) & (Advanced)
- Certificate in Android Application Development.
- Certificate Course in Molecular Modeling and Drug Design.
- Diploma/Advanced Diploma in Medical Image Processing
- Diploma in Computational Biology
- Craft Certificate in Shibori (Tie & Dye)/Dyeing & Painting/Surface Ornamentations/Block Printing/ Macrame & Knotting
- P.G. Diploma in Archival Studies and Records Management
- Certificate in Remote Sensing & Geographic information System (GIS)

• Part Time courses are open to full time students of Banasthali Vidyapith

रतनशास्त्री

वनस्थली विद्यापीठ
परम पूज्य आपाजी 126वीं जयन्ती पर्व 2024

प्रवेश प्रक्रिया

स्कूल शिक्षा के निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में नये प्रवेश होते हैं :

कक्षा 6, 9 एवं 11

विशेष परिस्थिति में कक्षा 7 व 8 में प्रवेश दिया जा सकेगा।

विवरण पत्रिका एवं प्रवेश-आवेदन-पत्र मँगाने का तरीका

1. **प्रवेश आवेदन-पत्र मँगाते समय यह साफ-साफ लिखा जाना चाहिए कि किस कक्षा/पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र मँगवाया जा रहा है; क्योंकि अलग-अलग कक्षा/पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग आवेदन-पत्र हैं।**

एक से अधिक प्रवेश-आवेदन-पत्र एवं विवरण-पत्रिका मँगाने के लिए अलग से शुल्क भेजना होगा।

2. स्कूल शिक्षा के सभी पाठ्यक्रमों के लिए विवरण पत्रिका एवं प्रवेश-आवेदन-पत्र पूर्व आवेदन शुल्क रू. 1000/- नकद जमा करवाने पर अथवा रू. 1000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट (जो कि मंत्री, वनस्थली विद्यापीठ के नाम जयपुर/वनस्थली की किसी भी बैंक की शाखा पर देय हो) निम्नलिखित पते पर भेजकर मँगवाया जा सकता है :

मंत्री, वनस्थली विद्यापीठ, पो. वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान - 304022

विद्यापीठ में ऑनलाइन आवेदन भी किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विद्यापीठ की बेवसाइट www.banasthali.org पर जाएँ एवं वहाँ दिए गए निर्देशानुसार कार्यवाही करें।

महत्त्वपूर्ण

1. विद्यापीठ केवल छात्राओं की शिक्षा के लिए है।
2. **विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन करने वाली छात्राओं को प्रवेश-आवेदन-पत्र के साथ 900 रू. का डिमाण्ड ड्राफ्ट**

(जो कि मंत्री, वनस्थली विद्यापीठ के नाम जयपुर/वनस्थली की किसी भी बैंक की शाखा पर देय हो) संलग्न करना होगा। यह राशि किसी भी स्थिति में लौटाई नहीं जाएगी।

3. **किसी भी छात्रा/अभिभावक को प्रवेश के लिए बिना विद्यापीठ की पूर्व स्वीकृति के वनस्थली नहीं आना चाहिए।**
4. **आवेदन पत्र भेजने के लिए परीक्षा परिणाम का इन्तजार न करें। आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक अवश्य पहुँच जाना चाहिए। परीक्षा - परिणाम प्राप्त होते ही तुरन्त भेजें।**

Admission Procedure

Entry points for admission in school division are only in classes 6, 9 & 11. Admission could be given in class 7& 8 under special circumstances.

Process of procuring new admission forms and prospectus

1. While asking for application form class/course in which admission is sought should be

mentioned clearly as for different classes/courses there are separate forms. For procuring more than one application form payment has to be made separately.

2. For school division application forms can be obtained by hand with a payment pre application fee of Rs. 1000/- in cash or a demand draft of Rs.1000/- for getting the form by post. The demand draft may be made in favour of 'Mantri, Banasthali Vidyapith payable at Jaipur/Banasthali addressed to :

Mantri, Banasthali Vidyapith
PO-Banasthali Vidyapith, Rajasthan – 304022

Online submission of application is also possible on the University website : www.banasthali.org

Important Points

1. Banasthali Vidyapith is exclusively girls institution.

2. Application form with late fee should be enclosed with a demand draft of Rs. 900/- in favour of Mantri Banasthali University payable at any Banasthali or Jaipur branch of bank. This amount shall not be refundable in any case.
3. No student or guardian should reach Banasthali before being intimated by the admission officer of the respective classes for which admission is sought.
4. You need not wait for the result of the previous class for sending applications. The application

5. विद्यापीठ को नियमों में समय - समय पर परिवर्तन करने का अधिकार है। विवरण - पत्रिका के मुद्रण में पूरा ध्यान रखा गया है, परन्तु विद्यापीठ के विधान एवं उपनियमों को ही अन्तिम माना जायेगा।
6. आवेदन-पत्र भेजने के बाद इस सम्बन्ध में पत्र-व्यवहार करते समय आवेदन-पत्र की क्रम संख्या, छात्रा का नाम और किस कक्षा में प्रवेश चाहा गया है, यह उल्लेख करना जरूरी है।
7. किसी भी विवाद का न्यायाधिकार क्षेत्र टोंक (राजस्थान) होगा।

विद्यालय शिक्षा प्रभाग में प्रवेश-आवेदन-पत्र मिलने पर विचार किये जाने का तरीका

विद्यालय शिक्षा प्रभाग में केवल कक्षा 6, 9 एवं 11 के नये प्रवेश होंगे। विशेष परिस्थिति में कक्षा 7 एवं 8 में प्रवेश पर विचार किया जा सकता है। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए प्रवेश हेतु आवेदन-पत्रों पर विचार करने के लिए आगे लिखा तरीका अपनाया जाता है :

कक्षा 6 व 9 में प्रवेश के लिये प्रक्रिया

1. कक्षा 6 में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु कम से कम 10 वर्ष व अधिकतम आयु 11½ वर्ष होगी।

   कक्षा 9 में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 13 वर्ष व अधिकतम आयु 14½ वर्ष होगी।

   नोटः न्यूनतम आयु की गणना 1 जुलाई, 2025 को मानकर की जायेगी। जन्मतिथि का मान्य प्रमाण-पत्र संलग्न होना अनिवार्य है।
2. कक्षा 6 अथवा कक्षा 9 में उन्हीं छात्राओं के आवेदन पत्रों पर विचार किया जायेगा जिन्होंने कक्षा 5 या 8 में 60% या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हों।
3. **प्रवेश हेतु अभियोग्यता परीक्षाएँ :**

   कक्षा 6 के लिए - 17 मई, 2025

   कक्षा 9 के लिए - 17 मई, 2025
4. प्रवेश परीक्षा किन्हीं पाठ्यपुस्तकों पर आधारित नहीं होगी। कक्षा 6 और कक्षा 9 के प्रवेश के लिए हिन्दी, गणित व अंग्रेजी में शैक्षिक योग्यता की जाँच की जायेगी। गणित जाँच प्रश्न-पत्र द्विभाषीय (Bilingual) होगा।
5. **वरीयता -** प्रवेश के लिए योग्यता सूची, प्रवेश परीक्षा प्राप्तांकों व वरीयता अंकों के योग के आधार पर बनाई जायेगी। वरीयता अंक आगे पृष्ठ 34 पर दिये गये हैं।
6. ध्यान रहे कि आपका प्रवेश चिकित्सकीय परीक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार और प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता पूर्ण करने पर ही सुनिश्चित होगा।

कक्षा 11 में प्रवेश की प्रक्रिया

1. कक्षा 11 में उन्हीं छात्राओं के प्रवेश पर विचार होगा जिन्होंने

should positively reach on or before the due date. As soon as the result is out the application form should reach Banasthali.

5. Vidyapith has every right to change the rules time to time when required but in any case the decision of Vidyapith is final.
6. For any query regarding admission you must quote the Application form Number, Name and the course applied for.
7. The Jurisdiction of any dispute will be Tonk (Rajasthan).

Decision making process on application forms for admission

New admissions will be taken only in classes 6, 9 & 11. There could be admissions in classes 7 & 8 under special circumstances.

The process of admission in primary, middle and higher secondary classes will be as mentioned below :

Process for admission in classes 6 and 9

1.

	Min. age limit	Max. age limit
Class 6 -	10 years	11½ years
Class 9 -	13 years	14½ years

Note : Age will be taken as on July 1, 2025. It is essential to attach birth certificate along with the application form.

2. Only those forms of students will be considered for class 6 and 9 who have secured 60% or more in class 5 and Class 8 respecti vely.
3. **Aptitude test for admission :**

   Class 6 - May 17, 2025

   Class 9 - May 17, 2025
4. The Eligibility test will not be based on any text book, it will be general. Candidates will appear in the test for class 6 & 9 only in Hindi, Mathematics and English. The question paper of mathematics will be bilingual.

विद्यापीठ से सैकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से मैट्रिक्यूलेशन/सैकण्डरी या अन्य समकक्ष परीक्षा 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राओं के लिए न्यूनतम अर्हता 40 प्रतिशत अंक होगी।

2. **कक्षा 11 में प्रवेश हेतु कला समूह, विज्ञान समूह एवं वाणिज्य समूह के लिए अलग - अलग आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना होगा।** वरीयता सूची समूहवार बनाई जाएगी। विज्ञान समूह में भी गणित समूह व जीव विज्ञान समूह की अलग वरीयता सूची बनायी जाएगी।
3. **आवेदन-पत्र भेजने के लिए परीक्षा परिणाम का इन्तजार न करें।**
4. प्रवेश - प्राप्तांकों के आधार पर वरीयता क्रम में होगा तथा उसी क्रम में छात्राओं को प्रवेश के लिए बुलाया जायेगा।

वरीयता

प्रवेश के लिए योग्यता सूची प्राप्तांकों व वरीयता अंकों के योग के आधार पर बनाई जायेगी। नीचे लिखे अनुसार वरीयता अंक जोड़े जायेंगे :

1.	खेलकूद में :	प्रतिशतांक
	(क) राज्य का प्रतिनिधित्व करने पर	2
	(ख) देश का प्रतिनिधित्व करने पर	5
2.	पूर्व छात्रा जिसने विद्यापीठ से पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में अध्ययन किया है	5
3.	जिन छात्राओं की माता या सगी बहिन विद्यापीठ में पहले पढ़ चुकी हैं या पढ़ रही हैं	5
4.	छात्राएँ जिनके संरक्षक वनस्थली विद्यापीठ में कार्य कर रहे हैं या कर चुके हैं :	5

नोट : 1. किसी भी आधार पर वरीयता अंकों का योग 7 से अधिक नहीं होगा।

2. प्रवेश के सम्बन्ध में विद्यापीठ का निर्णय ही अन्तिम होगा और आवेदक को अनिवार्य रूप से मान्य होगा।

आरक्षण

नीचे दिये गये विवरणों के अनुसार जहाँ पर आरक्षित स्थानों का अनुपात कुल स्थानों में समान अनुपात में निर्धारित पाठ्क्रम में इस प्रकार है :

1. अनुसूचित जाति – 15%
2. अनुसूचित जनजाति – 7.5%
3. शारीरिक विकलांग – 3%

पुनः प्रवेश

एक बार नाम कट जाने के बाद यदि छात्रा का उसी सत्र में पुनः प्रवेश होता है तो पुनः प्रवेश शुल्क 5000 रु. होगा। **तीन दिन से अधिक की अनधिकृत अनुपस्थिति पर छात्रा का प्रवेश स्वयमेव रद्द हो जाएगा। विद्यापीठ की लिखित स्वीकृति के बिना अनुपस्थिति, अनधिकृत अनुपस्थिति मानी जाएगी।**

विदेशी/अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं के लिए प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. अन्य पाठ्यक्रमों के लिए विवरण पत्रिका तथा प्रवेश-आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए रजिस्टर्ड पोस्ट से चाहने पर 1000/- रुपये का बैंक ड्राफ्ट मंत्री, वनस्थली विद्यापीठ (राजस्थान) पिन कोड 304022 को भेजकर प्राप्त किये जा सकते हैं। 1000/- रुपये नकद भुगतान पर व्यक्तिगत रूप से विवरण पत्रिका प्राप्त की जा सकती है।
2. विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं को बिना प्रवेश

5. Merit list will be prepared on the basis of marks obtained in the Entrance Exam and credit points.
6. **Remember your admission is subject to your fitness in comprehensive medical examination, personal interview** and fulfilling the minimum eligibility for admission.
7. Admission will be granted as per the position in the merit list.

Process of seeking admission in class 11

1. Only those students can seek admission in class 11 who have passed Secondary School certificate examination of Vidyapith or Secondary School Certificate examination from a recognized board with 60% or more marks in aggregate. For SC/ST required percentage of marks is 40%.
2. For admission in class 11 different application forms have to be filled for different streams namely – Humanities, Science (PCM/PCB/PCMB) and Commerce. Merit list will be prepared for different streams.
3. **Application forms should reach on or before the schedule given without waiting for the results.**
4. Merit list will be prepared on the basis of marks obtained in the Secondary School Examination and will be called for admission.

Credit Points

1.	Games	
	a. Representing the state	2%
	b. Representing the nation	5%
2.	Passing qualifying examination from Vidyapith	5%
3.	Candidate whose mother or sister has studied or has been studying at Banasthali	5%
4.	Candidate whose guardian has worked or has been working in Banasthali	5%

Note 1. The sum of credit points on any basis shall not exceed 7%.

2. Final decision for the admission will be taken by the Vidyapith

Reservation

1. As per the following details where the ratio of reserved seats shall be the same as the ratio in the total seat allocation in all courses –
   (i) Schedule Caste – 15%
   (ii) Schedule Tribe – 7.5%
   (iii) Physically Handicapped – 3%

Readmission

Once the name is stuck off from the roll, readmission has to be taken with a payment of Rs. 5000/-. The name will automatically be stuck off from the roll on being absent for more than 3 days from school without any intimation and leave **without a written sanction from competent authority of Vidyapith.**

परीक्षा के आधार पर इन स्थानों के लिए प्रवेश सीधे योग्यता के आधार पर होता है। सीमित संख्या में प्रवेश देने का प्रावधान है। कक्षा 6 में इस प्रकार की छात्राओं का प्रवेश अतिविशिष्ट स्थिति में कुलपति की स्वीकृति से ही किया जाता है।

3. विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं के लिए प्रवेश-आवेदन-पत्र के मुखपृष्ठ के कोने में अंकित NRI अथवा Foreign में स्पष्ट रूप में सही (✓) का निशान लगाना चाहिए।

4. विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं से शुल्क पूरे सत्र का एक मुश्त प्रवेश के समय जमा किया जाता है। शुल्क का विवरण पृष्ठ सं. 38, 40 पर अंकित है।

5. एक बार विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की श्रेणी में प्रवेश लेने के पश्चात् छात्रा को विद्यालय शिक्षा की समाप्ति तक (कक्षा 12 तक) उसी श्रेणी में माना जायेगा। किसी भी परिस्थिति में उसकी श्रेणी बदली नहीं जा सकेगी। विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं को प्रवेश देने के बारे में विद्यापीठ का निर्णय अन्तिम होगा तथा आवेदक को अनिवार्य रूप से मान्य होगा।

6. शुल्क सामान्यतया विदेशी मुद्रा में ही स्वीकार किया जाता है। भारतीय मुद्रा में शुल्क देने पर सम्बद्ध NRI खाता संख्या अथवा यह प्रमाण-पत्र कि, राशि विदेशी मुद्रा के बदले में प्राप्त की गयी है, देना आवश्यक है। विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं का प्रवेश रद्द होने की स्थिति में शैक्षिक शुल्क नहीं लौटाया जायेगा।

विदेशी, अप्रवासी भारतीयों की संरक्षिताओं को प्रवेश हेतु निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे :

I. पिछली कक्षा की मूल अंकतालिका
II. आवेदक/संरक्षक के पासपोर्ट एवं वीज़ा की सत्यापित प्रति
III. विदेशी बैंक का नम्बर या अप्रवासी भारतीय नम्बर आवेदनकर्ता का/संरक्षक का
IV. निर्धारित प्रपत्र में विदेशी/अप्रवासी भारतीय घोषणा-पत्र अथवा स्पॉन्सरशिप फॉर्म

Rules regarding admission of Foreign/NRI/NRI Sponsored students-

1. Prospectus and admission forms for other courses through registered post can be obtained by sending a bank DD for Rs. 1000/- in the name of **Secretary, Banasthali Vidyapith (Rajasthan) Pin-304022.** The same can also be obtained personally through a cash payment of Rs. 1000/-

2. A limited number of seats are available for foreign/NRI/NRI Sponsored candidates. Admission against these seats are made directly based upon the merit and the applicants do not have to appear in the aptitude test. In class 6 only in rare cases admission is given to NRI candidates only at the discretion of the Vice-Chancellor.

3. At the corner of the form on the first page there is a choice for Foreign or NRI category of students which should be ticked (✓) carefully.

4. The full payment of tuition fee for NRI students will be taken at the time of admission. Fee structure is provided in page number 39 and 41.

5. Once a student is admitted in a programme as a foreign/NRI Sponsored student then she will remain in this category for the full duration of the programme (till Class 12). The decision of Vidyapith will be final and will have to be adhered to by the applicant.

6. Generally fees are accepted in foreign currency but if fees are deposited in Indian currency then NRI bank account number or a declaration that the money has been procured in exchange of foreign currency may be submitted. In any case if admission is cancelled the amount deposited will not be refunded. The following documents are required for admission against foreign/NRI/NRI Sponsored seats-

I. Original certificate/mark sheets of the qualifying examination.
II. Attested photocopies of the passport and visa of the applicant/guardian.
III. Foreign Bank Account Number or NRI Account Number of the applicant/ guardian.
IV. Declaration regarding, Non-Resident Indian status/sponsership form of the applicant/ guardian.

शुल्क

1. नयी छात्राओं हेतु शिक्षण शुल्क

समूह 1

कक्षा 11 (गणित, जीव विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग):
रुपये 1,15,000/- प्रतिवर्ष
विदेशी/अप्रवासी भारतीय छात्राओं से :
यू एस डॉलर 3050 प्रतिवर्ष

समूह 2

- कक्षा 11 (कला वर्ग)
- कक्षा 9 एवं नीचे रुपये 85,000/- प्रतिवर्ष

विदेशी/अप्रवासी भारतीय छात्राओं से :
यू एस डॉलर 2400 प्रतिवर्ष

1. उपर्युक्त शुल्क नए प्रवेश में लागू होगा। पुरानी छात्राएँ जिनका नामांकन पिछले वर्ष हुआ है उनसे 2024-25 के विवरण के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। विद्यालय से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण कर कक्षा 9 में आने वाली अथवा 10वीं कक्षा उत्तीर्ण कर 11वीं कक्षा में आने वाली छात्राओं को शिक्षण शुल्क नई छात्राओं के समकक्ष देना होगा।

2.# विद्यापीठ द्वारा निर्दिष्ट, कार्यकर्ताओं की संरक्षिताएँ जो कार्यकर्ताओं के साथ रह रही हैं, (नर्सरी से कक्षा 8वीं तक) से कार्यकर्ता के 30 जून, 2025 के मूल वेतन का 10 प्रतिशत अथवा 8000/- रुपये, दोनों में से जो भी कम हो, शुल्क लिया जाएगा । स्थिर वेतन पाने वाले कार्यकर्ताओं की संरक्षिताओं से 30 जून 2025 के कुल मासिक वेतन का 10 प्रतिशत अथवा रुपये 8000/- दोनों में से जो भी कम हो, शुल्क लिया जाएगा।

   कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाओं के लिए कार्यकर्ता के 30 जून, 2025 के मूल वेतन का 15 प्रतिशत अथवा 15000/- रुपये, दोनों में से जो भी कम से कम हो, शुल्क लिया जाएगा । स्थिर वेतन पाने वाले कार्यकर्ताओं से 30 जून 2025 के कुल मासिक वेतन का 20 प्रतिशत अथवा 15000/- जो भी न्यूनतम हो, शुल्क लिया जाएगा।

   RTE एक्ट के तहत वे छात्राएँ जो न तो छात्रावास में रह रही हैं और न ही विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं पर आश्रित हैं उनसे कक्षा शिशु से आठवीं तक 8000/- रुपये और कक्षा 9 से 12 तक 15000/- रुपये प्रतिवर्ष शुल्क लिया जायेगा।

3. समूह 1 एवं 2 में वर्गीकृत छात्राओं से क्रमशः रुपये 10,000/- एवं 5000/- पाठ्यक्रम प्रवेश शुल्क (अप्रतिदेय) प्रवेश के समय लिया जाएगा।

4. विद्यापीठ के छात्रावास में प्रवेश लेने वाली सभी नई छात्राओं से 5000/- रुपये प्रवेश शुल्क लिया जाएगा।

2. विकास शुल्क

समूह (1) और (2) में वर्गीकृत छात्राओं को क्रमशः 22,000/- एवं 16,000/- रुपये विकास शुल्क प्रतिवर्ष देना होगा।

3. छात्रावास एवं परिसर शुल्क

छात्रावास एवं परिसर शुल्क	
भोजन शुल्क	₹ 21,500/-*
कमरा शुल्क	₹ 10,000/-*
बिजली, पानी शुल्क	₹ 7,500/-*
परिसर शुल्क (वार्षिक)	₹ 22,000/-
योग	₹ 61,000/-

* 10 माह के लिए

#Subject to Change

Fee

1. Educational Fee for new admission

Group (1)

Class XI (Maths, Biology and Commerce)
Regular Fee: 1,15,000/- Per Annum
Foreign/NRI/NRI Sponsored Fee:
US Dollar 3050 Per Annum

Group (2)

- Class XI (Arts)
- Class IX & Below Regular Fee: 85,000/- Per Annum

Foreign/NRI/NRI Sponsored Fee:
US Dollar 2400 Per Annum

1. The above fee structure shall be applicable to new admissions. Continuing students, those who were enrolled in or before 2024-25 shall pay the educational fee as paid by them last year. Students completing class VIII and joining class IX and Students completing class X and joining class XI shall be treated as new students for the purposes of determining the education fee payable by them.

2.# Dependents, as defined by the Vidyapith, of a staff member and living with that staff member shall pay a total fee equivalent to 10% of one month's basic salary of the guardian as on 30 June, 2025 or Rs. 8000/- whichever is less, for classes from Nursery to class VIII. Dependents working on fixed salary shall pay a fee equivalent to 10% of one month salary of the guardian as on 30 June, 2025 or Rs. 8000/- whichever is less.

   The same group, i.e. dependents, for classes IX to XII shall pay a total fee equivalent to 15% of one month's basic salary of the guardian as on 30 June, 2025 or Rs. 15,000/- whichever is less. Dependents working on fixed salary shall pay a fee equivalent to 20% of one month salary of the guardian as on 30 June, 2025 or Rs. 15,000/- whichever is less.

   Student not residing in hostel and not dependent of a staff members shall pay for Classes Nursery to Class VIII Rs. 8000/- p.a. and Class IX to XII Rs. 15,000/- p.a. subject to the provisions of the RTE Act.

3. The students classified in group (1) & (2) shall pay a one time course admission Fee (Non-refundable) Rs. 10000/- & Rs. 5000/- respectively.

4. A one-time hostel admission fee of Rs 5,000/- shall be charged from all newly admitted students.

2. Development Fee

The above students classified in Group (I), (2) Respectively, shall pay the development fee of Rs. 22,000/-, Rs. 16,000/- respectively, per year.

3. Hostel & Campus Fee

Hostel & Campus Fee	
Mess charges	₹ 21,500/-*
Room Rent	₹ 10,000/-*
Electricity & water	₹ 7,500/-*
Campus Fee (Annual)	₹ 22,000/-
Total	₹ 61,000/-

*For 10 month

#Subject to Change

4. **सिक्युरिटी जमा**

नये प्रवेश लेने वाली छात्रा को 20,000/- रु. सिक्युरिटी डिपोजिट (कॉशन मनी) जमा कराना होगा। यह प्रवेश के समय लिया जाएगा और विद्यापीठ छोड़ने के तीन माह बाद लौटाया जाएगा। इसके लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन किया जाना चाहिए। निर्धारित प्रपत्र में समय के भीतर आवेदन प्राप्त न होने की स्थिति में बकाया जमा धनराशि को छात्रवृत्ति कोष में अनुदान मान लिया जायेगा।

5. अन्य शुल्क

कक्षा 8 तक की छात्राओं से 2,000/- रुपये एवं कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं से 3,000/- रुपये परीक्षा शुल्क, स्मार्ट कार्ड आधारित अन्य कार्यों के लिए शुल्क प्रवेश के समय लिया जाएगा।

6. सभी छात्राओं से 2,500/- रुपये इम्प्रेस्ट राशि प्रवेश के समय लिया जायेगा।

7. शुल्क जमा कराने संबंधी प्रक्रिया

1. निश्चित समय पर शुल्क के रुपये जमा कराने का दायित्व छात्रा के संरक्षक का होगा। अंतिम तारीख तक शुल्क जमा नहीं कराने पर विद्यापीठ को छात्रा का नाम काटने का अधिकार होगा।
2. वे छात्राएँ जो मासिक/द्विमासिक/ त्रैमासिक आदि किश्तों में शुल्क का भुगतान करना चाहें तो विद्यापीठ उनका सम्बन्धित वित्तीय कम्पनियों से परिचय करवा सकती है। इस आशय हेतु वित्तीय कम्पनी द्वारा लिया गया अतिरिक्त भुगतान छात्रा/अभिभावक द्वारा ही देय होगा।
3. शिक्षण, विकास, भोजन, कमरा, बिजली-पानी तथा परिसर शुल्क दो समान किस्तों में लिए जाएँगे। पहली किस्त प्रवेश के समय व दूसरी 30 नवम्बर, 2025 से पूर्व जमा करवानी होगी। विदेशी/अप्रवासी भारतीय छात्राओं को पूरा शुल्क एक साथ प्रवेश के समय जमा कराना होगा। एक बार जमा करवाया गया शुल्क लौटाया नहीं जायेगा।
4. यदि कोई छात्रा चिकित्सा प्रमाण-पत्र के आधार पर 15 दिन से अधिक विधिवत अवकाश स्वीकृत कराकर छात्रावास से अनुपस्थित रहती है, तो उस अवधि के लिए भोजन शुल्क में छूट देने पर कुलपति महोदया विचार कर सकेंगी। अन्य कोई छूट नहीं मिलेगी। छूट की गणना सत्र के अन्त में ही की जाएगी।
5. **छात्रा के व्यक्तिगत खर्चे (विशेष दूध आदि) का अलग से भुगतान करना होगा,** जिसकी सूचना मार्च के प्रथम सप्ताह में संरक्षकों को भेज दी जाएगी यह राशि मार्च के अंतिम सप्ताह तक जमा कराना आवश्यक है। उसके अभाव में छात्रा को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
6. शुल्क वनस्थली विद्यापीठ की वेबसाइट www.banasthali.org पर जाकर ऑनलाइन अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट "Banasthali Vidyapith" के नाम वनस्थली विद्यापीठ/जयपुर की किसी भी बैंक की शाखा पर देय से जमा किया जा सकता है।

4. Security Deposit (Refundable)

A one-time refundable security deposit of Rs. 20,000/- is payable by new students. It is payable at the time of admission and is refunded three months after leaving Banasthali for which an application in the prescribed proforma for refund has to be submitted. In case the application is not received in time in the desired proforma, the remaining security deposit shall be treated as donation to the scholarship fund.

5. Other Miscellaneous Charges

An amount of Rs. 2,000/- for class upto 8th & Rs. 3,000/- for class 9th to 12th shall be charged towards Examination fee, Identity Card fee etc.

6. Therefore an 'Imprest money' of Rs. 2,500/- could be deposited by all students to meet out their running expenses.

7. Rules regarding fee submission

1. It will be the responsibility of the guardian to deposit the fees on time. Vidyapith authority deserves the right to cancel admission if fees are not paid as per the schedule.
2. Those students desirous of paying their fee in Monthly/Bimonthly /Quarterly instalments, the Vidyapith shall be happy to introduce them to appropriate finance company. All additional charge payable for this purpose shall be born by the student/guardian.
3. The Educational fee, Development fee, Mess, Room rent, Electricity & Water & campus fee have to be deposited in two equal installments, once at the time of admission and second on or before November 30, 2025 (Except for foreign/ NRI students who have to pay full fee at the time of admission.) The fee once deposited will.
4. In case a student remains absent from the hostel for more than 15 days on account of valid medical grounds with authorized permission of the Vidyapith, the Vice-Chancellor may consider to waive off / provide rebate on the mess charges for the period of absence. No other rebate shall be permissible. This rebate shall also be considered at the end of the session.
5. Personal expenses of students like (special milk etc.) should be deposited by the last week of March otherwise the student will be prohibited to appear in the annual examination.
6. The fee can be deposited by login onto **www.banasthali.org** or by depositing a demand draft in favour of on "**Banasthali Vidyapith**" payable at any Bank of Jaipur/Banasthali Vidyapith.

BANASTHALI

शैक्षिक, परिसर एवं छात्रावास सम्बन्धी नियम

छात्रावास

विद्यापीठ में देश के कोने-कोने से छात्राएँ शिक्षा ग्रहण करने आती हैं। यह उनके लिए घर से दूर, एक घर है।

विद्यापीठ का उद्देश्य है कि यहाँ पर छात्राओं को ऐसा स्वतंत्र व सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए जिसमें वे उन्मुक्त होकर रह सकें। इसके लिए प्रत्येक छात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ऐसे वातावरण से उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सहयोग, सम्बन्धों के प्रति जुड़ाव की भावना का अंकुरण होता है। विद्यापीठ आवासीय संस्था के रूप में सुविख्यात है।

शैक्षिक नियम

1. छात्राओं की शैक्षिक गतिविधियाँ समय-समय पर शैक्षिक निकायों के निर्णय तथा शैक्षिक नियमों द्वारा संचालित होंगी।
2. विद्यापीठ में केवल छात्राओं का प्रवेश होता है।
3. स्नातकोत्तर कक्षाओं के अलावा अन्य कक्षाओं में विवाहित छात्राओं का प्रवेश सम्भव नहीं होगा। स्नातकोत्तर कक्षाओं में भी विवाहित छात्राओं का प्रवेश विशेष परिस्थिति में ही होगा। प्रवेश के पश्चात् 18 वर्ष से कम आयु में छात्रा का विवाह होने पर नाम पृथक् कर दिया जाएगा।
4. विद्यापीठ में समुदाय, धर्म, जाति, रंग, स्थान आदि के भेदभाव के बिना प्रवेश होते हैं।
5. विद्यापीठ में प्रवेश चाहने वाली छात्राओं को निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर निर्दिष्ट तिथि तक शुल्क जमा कराना चाहिये।
6. अत्यन्त विशेष परिस्थिति में कुलपति को अध्यक्ष की अनुमति से केवल न्यूनतम योग्यता को छोड़कर किसी अन्य शर्त में छूट देने का अधिकार है किन्तु ऐसे सभी मामलों के अनुमोदन के लिए उसे कार्यसमिति के समक्ष रखना आवश्यक है।

परिसर एवं छात्रावास नियम

वनस्थली विद्यापीठ एक आवासीय (Residential) संस्था है। विद्यापीठ परिसर में अपने अभिभावकों के साथ रहने वाली छात्राओं के अलावा अन्य सभी छात्राओं के लिए छात्रावास में रहना अनिवार्य है।

1. विद्यापीठ के सभी छात्रावासों की व्यवस्था श्री शान्ताबाई शिक्षा कुटीर के नाम से की जाती है।
2. छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र, प्रवेश-आवेदन-पत्र के साथ ही भेजना चाहिए।
3. छात्रावास में किसी छात्रा का प्रवेश विद्यापीठ के नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश योग्य पाये जाने के बाद ही किया जाता है।
4. छात्रावास में छात्रा का प्रवेश डॉक्टरी जाँच के बाद चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर और निर्धारित शुल्क जमा कराने के उपरान्त, मुख्य व्यवस्थापिका द्वारा दी जाने वाली स्वीकृति के बाद ही होता है।
5. पिता का संरक्षक होना आवश्यक है। इसके अलावा किसी अन्य व्यक्ति को संरक्षक बनाया जाता है तो उसका स्पष्ट कारण लिखना चाहिए। किसी अन्य व्यक्ति को संरक्षक स्वीकार करने या न करने का अधिकार विद्यापीठ को होगा। विद्यापीठ में स्थानीय संरक्षक बनाने का नियम नहीं है। वनस्थली में छात्रावास की मुख्य व्यवस्थापिका ही स्थानीय संरक्षक है।
6. छात्रावास में किसी छात्रा के प्रवेश के लिए बिना कोई कारण बताये इन्कार करने का विद्यापीठ के कुलपति को पूरा अधिकार है।
7. निश्चित तारीख तक छात्रावास शुल्क की किस्तें जमा न कराने पर तीन सप्ताह बाद छात्रा का नाम काटने का विद्यापीठ को अधिकार होगा।
8. छात्रावास ऐसी छात्राओं को प्रवेश देने से इन्कार कर सकता है जो विगत वर्ष में कक्षाओं/प्रायोगिक कार्य/परीक्षाओं में

Academic, Campus and Hostel Rules

Hostel

Banasthali Vidyapith attracts students from far flung corners of the country. It is a home away from home. The residential environment at Banasthali Vidyapith aims at making students feel safe, comfortable and at home by providing them individual care, attention and academic support. It provides them an atmosphere of belongingness, competition and team spirit. Thus Banasthali Vidyapith has assumed the status of a renowned and reputed residential institution.

ACADEMIC RULES

(I) Academic activities of the students will be strictly guided by the Academic rules and the decisions taken by Academic Bodies from time to time.

(ii) Admission to Banasthali shall be open to girls only.

(iii) Admission of married students shall not be possible in other courses except the postgraduate courses. In post-graduate courses too, on very special circumstances only, the married students will be provided admission. After being admitted to a course, if a student gets married before attaining the age of 18 years, her admission shall be cancelled from the Vidyapith.

(iv) Admission will be open to all women irrespective of their race, religion, caste or colour or domicile.

(v) Every student seeking admission to Banasthali shall submit an application on the prescribed form and pay the requisite fee by the prescribed date.

(vi) Under extra ordinary circumstances the Vice-Chancellor, with the approval of the President can relax any condition except the minimum eligibility, but all such cases will have to be placed before the Executive Council for concurrence

CAMPUS AND HOSTEL RULES

At Banasthali Vidyapith it is Mandatory to take admission in hostel for all the students except those residing with their guardians in Vidyapith Campus.

IMPORTANT INFORMATION REGARDING APPLICATION FORM

1. All the hostels of Vidyapith come under "Shri Shantabai Shiksha Kuteer" for management purpose.
2. Application form for hostel admission must be sent alongwith the admission form.
3. A student will be admitted in hostel only after getting regular admission in a class.
4. Final admission will be only given after

नियमित रूप से उपस्थित न रही हों अथवा जिनका शैक्षिक कार्य विगत वर्ष में सन्तोषजनक न रहा हो।

9. छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्थापिका, मुख्य व्यवस्थापिका व कुलपति के अनुशासन सम्बन्धी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। अनुशासनहीनता पर छात्रा का छात्रावास प्रवेश रद्द किया जा सकता है।
10. हर छात्रा को नियमित रूप से समय पर कक्षाओं व प्रयोगशालाओं में जाना चाहिए। बीमारी के अलावा कक्षा से बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर छात्रा का प्रवेश रद्द किया जा सकता है।
11. छात्रावास में रहने वाली छात्राएँ छात्रावास और परिसर को साफ-सुथरा रखने के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से ज़िम्मेदार होंगी।
12. कोई छात्रा अपने कमरे में ऐसा कार्य नहीं करेगी, जिससे कि उसके कमरे की दूसरी छात्रा/छात्राओं या छात्रावास की अन्य छात्राओं को कोई परेशानी हो।
13. कोई भी छात्रा किसी दूसरी छात्रा को छात्रावास के नियम भंग करने को उकसाएगी तो इसे गम्भीरता से लिया जाएगा।
14. सायंकाल साइलेंस बैल के बाद से छात्राओं को अपने कमरों में रहना होगा।
15. कमरे में किसी भी प्रकार का भोजन बनाना मना है।
16. छात्राएँ भोजन कक्ष में, छात्रावास के दरवाजे या दरवाजे के बाहर नाइट-सूट, नाइट गाउन या ड्रेसिंग गाउन में नहीं जायेंगी।
17. छात्राओं को बिजली का स्टोव, इमर्शन रॉड आदि का उपयोग करने की मनाही है। कमरे में इस प्रकार का उपकरण पाये जाने पर वह छात्रा से ले लिया जाएगा और उसे लौटाया नहीं जाएगा।

medical examination by the Medical Officer and after depositing proper fee and approval of Chief Warden thereafter.

5. "Father" will be treated as natural guardian. In case of any other person being the guardian, clarification of the same must be provided. Vidyapith reserves the right for its acceptability. No person will be accepted as Local guardian by rule. The Chief Warden of hostels is the local guardian for all the students.
6. Vice-Chancellor, Banasthali Vidyapith reserves the right to refuse admission to the hostel without any reason whatsoever.
7. Vidyapith reserves the right to cancel the admission of any student after 3 weeks if the proper fees is not deposited by stipulated time.
8. Hostel reserves the right to refuse admission to those who are irregular in attendance or whose academic performance has remained unsatisfactory in the previous year.
9. It is mandatory to follow the instructions of warden, Chief Warden and the Vice-Chancellor regarding monitoring the discipline otherwise it may cause termination from the hostels.
10. All the students should attend classes as well as practicals regularly. Absence from classes without prior permission may cause cancellation of admission from hostel except in case of illness.
11. It is collective as well as individual responsibility of the students to keep the hostel premises clean and healthy.
12. Students should not create any inconvenience to the other students of the hostel.
13. It is considered a very serious matter if a student encourages other student(s) to breach any of these rules.
14. Students must remain inside their rooms after the silence bell.
15. Cooking is not allowed inside the room.
16. Wearing dresses like night suit, night gown or dressing gown etc. is not allowed at Cafeteria or at the door/outside hostels.
17. Electrical stove, emersion rod etc. are not permissible in the hostel. Such equipment if found in the hostel room will be taken and will not be returned back.
18. Transistor, Radio, Tape recorder etc. may be used in the room subject to the no objection by other students. If it creates inconvenience it may be taken away and will be returned only at the time of leaving the hostel.

18. अगर किसी छात्रा के पास ट्रांजिस्टर, रेडियो, टेपरिकार्डर या ऐसी ही कोई और चीज है तो उसका उपयोग वह तब तक ही कर सकती है, जबतक कि उसके कमरे की दूसरी छात्राओं या पड़ौसी छात्राओं को असुविधा न हो। इस नियम का उल्लंघन करने पर उपकरण छात्रा से ले लिया जाएगा और उसे छात्रा के घर जाते समय ही लौटाया जाएगा।
19. विद्यापीठ में जेवर एवं सौन्दर्य-प्रसाधनों के प्रयोग का प्रचलन नहीं है। छात्राएँ यह भी ध्यान रखें कि उनके पास अधिक रोकड़ भी नहीं होना चाहिए। अधिक रोकड़ बैंक में जमा रखना चाहिए।
20. छात्राओं को अपना पत्र-व्यवहार छात्रावास के द्वारा करना चाहिए।
21. **विद्यापीठ परिसर में कक्षा 12 तक की छात्राओं के लिये मोबाइल फोन/सिमकार्ड रखना एवं इसका उपयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी छात्रा को विद्यापीठ परिसर में मोबाइल फोन/सिमकार्ड का उपयोग करते हुए पाया गया तो उसका मोबाइल फोन/सिमकार्ड जब्त कर लिया जायेगा तथा छात्रा के प्रति अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।**
22. **छात्राओं को कार्यकर्ताओं के घरों में तथा अतिथिगृह में जाने की अनुमति नहीं है।**
23. उपर्युक्त नियमों अथवा विद्यापीठ के नियमों का पालन नहीं करने पर छात्रावास से किसी भी समय छात्रा का प्रवेश रद्द किया जा सकेगा और इस सम्बन्ध में कुलपति का निर्णय अन्तिम होगा और छात्रा एवं उसके संरक्षक के लिए अनिवार्य रूप से मान्य होगा।
24. जो छात्राएँ सत्रान्त पर अपना सामान, बिस्तर आदि छात्रावासों में छोड़कर जाती हैं, लेकिन नये सत्र में लौटकर नहीं आतीं, ऐसी छात्राओं के संरक्षकों को अक्टूबर के अन्त तक अपनी छात्रा का सामान अवश्य मँगवा लेना चाहिए अन्यथा उस सामान को और अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए छात्रावास का कोई दायित्व नहीं होगा।

भोजन एवं नाश्ता

नाश्ता (प्रातःकालीन) - दूध, चाय, अंकुरित अनाज, दलिया (मीठा/नमकीन), टोस्ट, सैण्डविच (वेज/आलू), पोहा, पराठा (स्टफ्ड/मसाला/सादा), दही, वेज इडली, उत्पम, चीला, कच्ची हल्दी, आँवला, तुलसी, अदरक (मौसम के अनुसार)।

नाश्ता (सायं कालीन) - चाय, फल/फ्रूट सलाद, अंकुरित अनाज, छोले टिक्की, पावभाजी/बर्गर, काला चना, नमकीन सेवई, इडली सांभर, ढोकला, कटलेट, विशेष अवसरों व मौसम के अनुसार (घेवर, फीणी, तिलपट्टी, गुडपट्टी, खजूर, गजक, रेवड़ी, मूँगफली, पॉपकॉर्न, गुंजिया, रसगुल्ला आदि)।

भोजन सुबह और शाम - चपाती, दाल, सब्जी (रसेदार/सूखी), दही/रायता, पुलाव/चावल/तहरी/खिचड़ी, सलाद, आचार, पापड़ आदि।

प्रत्येक मंगलवार एवं विशेष अवसरों व त्यौहारों पर छात्राओं को विशेष भोजन व मिठाइयाँ दी जाती हैं।

नोटः छात्राओं के पास नीचे लिखे अनुसार व्यक्तिगत सामान होना चाहिए-

(क) कपड़े दो जोड़ी खादी की यूनिफार्म, ब्लेजर (कोट) या नीला स्वेटर, रंगीन स्वेटर, सर्दी के वस्त्र, पाँच जोड़ी खादी के अन्य कपड़े एवं दो जोड़ी खेल की यूनिफार्म।

(ख) **बिस्तर**-चादर (बिछाने व ओढ़ने की), तकिया गिलाफ (गद्दा और तकिया छात्रावास से दिए जाते हैं), भोजन के बर्तन (थाली, 2 कटोरी, प्लेट, चम्मच, मग, गिलास)

वेशभूषा एवं यूनिफॉर्म

विद्यापीठ में विशिष्ट वातावरण बनाये रखने के लिए यह जरूरी है कि छात्राओं का रहन - सहन सादा और सुरुचिपूर्ण हो। विद्यापीठ परिसर में छात्रा को अनिवार्य रूप से **खादी** पहनना होगा अगर खादी पहनने के नियम का छात्रा द्वारा उल्लंघन किया जाता है तो विद्यापीठ में

19. Use of jewelry and cosmetics is uncommon. Students should also not keep excess cash in their rooms. It should be kept in Bank account.
20. All the correspondence by the students should be through the hostel.
21. It is prohibited for the nursery to 12th students to either keep or use a mobile phone/sim-card in the Vidyapith campus. If a student is found using mobile phone/sim-card then the phone shall be taken into Vidyapith's custody and such student shall be liable to disciplinary action against her.
22. Students are not allowed to visit staff quarters as well as guest house without prior permission from hostels.
23. Breach of rules & regulations would cause termination from hostel and the decision of Vice-Chancellor will be final in this regard which will have to be acceptable to the guardian as well as to the student.
24. Students leaving their belonging in the hostels but do not turnup later must collect their belonging at least by the end of the month of October. After that their will be no responsibility of safe return of their Items.

Food and Breakfast

Only Vegetarian food is provided in the Vidyapith.

Breakfast - Milk, Tea, Sprouted Grains, Dalia (Sweet/Namkeen), Toast, Sandwich (Veg/Pottato), Poha, Paratha, Curd, Veg Idli, Uttapam, Chila, Kacchi Haldi, Tulsi, Ginger.

After-noon refreshment - Tea, Fruits, Sprouted Grains, Chole-Tikki, Pavbhaji, Burger, Kala Chana, Namkeen Sawai, Idli Sambhar, Dokla, Cutlet etc.

Lunch & Dinner - Chapati, Dal, Vegetable, Curd/Raita, Pulao/Rice/Tehari/Khichdi, Salad, Achar, Papad etc.

Special diet may be provided on Tuesday & specific occasions.

Students should have the following items with them while coming to Banasthali

(a) Clothes : Two sets of Khadi Uniform, Blazer (Coat). Five sets of other dresses in Khadi only and two sets of sports uniform.

(b) Bedding and utensils for food.

(Mattress and pillow are provided from the hostel.

उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। खादी का अर्थ खादी ग्रामोद्योग कमीशन द्वारा प्रमाणित हाथ बुना, हाथ कता सूती कपड़ा है। इस नियम का पालन ठीक प्रकार से हो, इसलिए संरक्षकों को छात्राओं के लिए नीचे लिखे अनुसार शुद्ध खादी के कपड़ों की व्यवस्था करनी चाहिए।

कक्षा शिशु से कक्षा 8 तक

1. नीला (कोबाल्ट ब्लू रंग का) फ्रॉक/कुर्ता, (घुटने तक की लम्बाई वाला निश्चित नमूने वाला) सफेद सलवार, सफेद चुन्नी, सफेद जूते, सफेद मोजे (हर बुधवार और रविवार के लिए)
2. सफेद फ्रॉक, सफेद कुर्ता (घुटने तक की लम्बाई) व सफेद जूते एवं सफेद मोजे (हर शुक्रवार के लिए)
3. रंगीन खादी के कपड़े, रंगीन जूते एवं मोजे (हर गुरुवार, शनिवार एवं सोमवार के लिए)
4. नेवी ब्लू स्वेटर (आधी या पूरी बाँह का) एवं ब्लेजर कोट, नेवी ब्लू मफलर, स्कार्फ या टोपी

कक्षा 9 से 12 तक

1. नीला कुर्ता (कोबाल्ट ब्लू रंग का, घुटने तक की लम्बाई वाला निश्चित नमूने वाला), सफेद सलवार, सफेद चुन्नी, सफेद स्पोर्ट्स जूते एवं सफेद मोजे (हर बुधवार एवं रविवार को)
2. सफेद कुर्ता (घुटने तक की लम्बाई वाला निश्चित नमूने वाला), सफेद सलवार, सफेद चुन्नी, सफेद स्पोर्ट्स जूते एवं सफेद मोजे (हर शुक्रवार के लिए)
3. रंगीन खादी के कपड़े (सलवार, कुर्ता, चुन्नी) रंगीन जूते एवं मोजे (हर गुरुवार, शनिवार एवं सोमवार के लिए)
4. नेवी ब्लू स्वेटर वी आकार के गले वाला (आधी या पूरी बाँह का) एवं नेवीब्लू रंग का ब्लेजर (कोट), नेवी ब्लू मफलर, स्कार्फ या टोपी

खेलकूद - परिधान

1. कॉलर वाला सफेद टी-शर्ट (टी-शर्ट के पीछे 'वनस्थली' लिखा होना चाहिए) नेवी ब्लू रंग का नेकर, शॉर्ट स्कर्ट।

2. नेवी ब्लू रंग का ट्रेक-सूट (अपर के पीछे 'वनस्थली' लिखा होना चाहिए और लोअर सफेद रंग की 3 धारियों वाला होना चाहिए)।
3. सफेद स्पोर्ट्स जूते एवं सफेद मोजे।
4. तैराकी के लिए नेवी ब्लू रंग का स्विम सूट चाहिए।

नोट :-

1. छात्रा के पास विद्यालय व खेल की **दो-दो जोड़ी** यूनिफॉर्म होनी चाहिए।
2. छात्रा के पास शुद्ध खादी के **5 जोड़ी** अन्य कपड़े, ऊनी कपड़े व जूते-चप्पल सत्र के आरम्भ से ही साथ होने चाहिए।
3. विदेशी छात्राओं को विदेशी ढंग की पोशाक पहनने की अनुमति है लेकिन कपड़े शुद्ध खादी के होंगे।
4. छात्राओं के लिए मिल के कपड़ों व रेशमी कपड़ों का उपयोग वर्जित है अतः छात्रा अपने साथ मिल के वस्त्र न लावे। छात्रा के पास मिल के या अन्य अवांछनीय कपड़े पाए जाने पर वे उससे लिए जा सकते हैं। लौटाने की जिम्मेदारी छात्रावास की नहीं होगी।

अगर खादी पहनने के नियम का छात्रा द्वारा उल्लंघन किया जाता है तो विद्यापीठ में उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।

Dress & Uniform

It is mandatory to wear Khadi in Vidyapith Campus Khadi implies the hand woven cotton cloth certified by Khadi Gramodyog Commission.

To evolve a unique pattern and harmonious balance it is mandatory that students should lead a simple life and develop a proper sense of values.

1. School Uniform

From Class Nursing to Class 8th

Cobalt blue frock or blue Kurta (knee Length, fixed pattern) White Salwar, white dupatta, navy blue sweater (full sleeves and without sleeves), Blazer (Coat-in winter) white shoes, white socks, cobalt blue Muffler, Scarf or cap.

From Class 9 to 12th

1. Cobalt blue Kurta (Knee Length, fixed pattern) White Salwar, white dupatta, white Sports shoes and socks (every Wednesday and Sunday)
2. White Kurta, white Salwar, white Duptta, white Shoes, white Socks (Every Friday)
3. Coloured Khadi dresses (Salwar, Kurta, Duptta) cloured shoes and cloured socks (For Every Thursday, Saturday and Monday)
4. Navy blue sweater (V 'shaped neck) (full sleeves and without sleeves), Navy blue Blazer (coat in winter), navy blue muffler/scarf/cap.

2. Sports uniform

- White collared T-Shirt with 'Banasthali' written at the back.
- Navy blue short skirt
- Navy blue shorts
- White shoes and socks
- Navy blue track suit with 'Banasthali' written at the back of the top and Lower with 3 white strips.

- White sports shoes and socks
- Navy blue V shaped swimsuit

To maintain uniformity clothes should be purchased from Banasthali.

Note

1) Every student should possess 2 sets of each uniform.
2) Every student should have 5 sets of other Khadi dresses or woollen garments. Sandals, Shoes, right from the beginning.
3) Students coming from abroad can wear dresses of their choice provided the material is of khadi.
4) Wearing of silk or clothes of mill are strictly prohibited. No students are permitted to bring such clothes along with them. If such items are found with any student, they will be ceased and hostel will not be responsible to return the items.

If a student fails to wear Khadi admission might be cancelled.

King

'आनन्दोत्सव'

परमश्रद्धेय दादा के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में
रंगोली प्रतियोगिता
खेलकूद प्रतियोगिता

वाणिज्य विभाग
पक्ष
विपक्ष

साप्ताहिक और अन्य अवकाश

सार्वजनिक अवकाश

1.	रक्षाबंधन	अगस्त 09, 2025
2.	जन्माष्टमी	अगस्त 16, 2025
3.	शान्ताबाई का जन्मदिन एवं विद्यापीठ का स्थापना दिवस	सितम्बर 22, 2025
4.	महानवमी	अक्टूबर 01, 2025
5.	दशहरा	अक्टूबर 02, 2025
6.	दीपावली	अक्टूबर 20, 22 एवं 23, 2025
7.	गुरुनानक जयंती	नवम्बर 05, 2025
8.	क्रिसमस	दिसम्बर 25, 2025
9.	मकर संक्रांति	जनवरी 14, 2026
10.	महाशिवरात्रि	फरवरी 15, 2026
11.	होली	मार्च 02-03, 2026
12.	ईदुलफितर	मार्च 21, 2026
13.	रामनवमी	मार्च 27, 2026
14.	महावीर जयन्ती	मार्च 31, 2026
15.	ईदुलजुहा	मई 28, 2026

नोटः विद्यापीठ में मंगलवार का साप्ताहिक अवकाश रहता है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त), गांधी जयंती (2 अक्टूबर), आपाजी जन्मदिवस (24 नवम्बर) एवं गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन दिवसों में बाहर जाने पर अवकाश लेना होगा।

छात्रा को छुट्टी पर बुलाने की हालत में माता - पिता या संरक्षक को छुट्टी की पूर्व - स्वीकृति सम्बन्धित अधिकारी से प्राप्त कर लेने के बाद ही छात्रा को लेने के लिए वनस्थली पहुँचना चाहिए। **बिना पूर्व - स्वीकृति के छात्रा को लेने के लिए वनस्थली आने पर छात्रा को घर भेजने से इन्कार किया जा सकता है।** यदि माता - पिता या संरक्षक छात्रा को लेने के लिए स्वयं न आवें और अपने अन्य किसी प्रतिनिधि को भेजें, तो उनके साथ छात्रा को भेजने के लिए उनकी ओर से लिखित स्वीकृति और आने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर प्रमाणित होकर आना आवश्यक है। **छात्रा को अवकाश विद्यापीठ द्वारा उपलब्ध करवाई गई केवल स्वयं की छात्रा अवकाश आवेदन-पत्र पुस्तिका में दिये हुये प्रपत्र में प्रस्तुत करने पर ही स्वीकृत किया जा सकेगा।** छात्रा द्वारा प्रस्तुत आवेदन-पत्र पर या टेलीफोन द्वारा प्राप्त आवेदन पर अत्यन्त विशेष परिस्थिति के अलावा छुट्टी नहीं दी जाती है। संरक्षक का आवेदन-पत्र रजिस्टर्ड डाक द्वारा सम्बन्धित कार्यालय में ही आना चाहिए। **किसी एक छात्रा को किसी दूसरी छात्रा के घर जाने के लिए भी स्वीकृति नहीं दी जाती है।**

संरक्षक कृपया इस बात का ध्यान रखें कि विद्यापीठ में मंगलवार का साप्ताहिक अवकाश रहता है। अतः मंगलवार या अन्य सार्वजनिक अवकाश के दिन किसी भी छात्रा का अवकाश स्वीकार करने की कोई कार्यवाही नहीं हो सकेगी।

Holidays

Public Holidays

1.	Rakshabandhan	August 09, 2025
2.	Janmashthami	August 16, 2025
3.	Shantabai's Birthday & Founder's Day	September 22, 2025
4.	Mahanavami	October 01, 2025
5.	Dussera	October 02, 2025
6.	Deepawali	October 20, 22 and 23, 2025
7.	Gurunanak Birthday	November 05, 2025
8.	Christmas	December 25, 2025
9.	Makar Sankranti	January 14, 2026
10.	Mahashivratri	February 15, 2026
11.	Holi	March 02-03, 2026
12.	Id-ul-Fitr	March 21, 2026
13.	Ram Navami	March 27, 2026
14.	Mahavir Jayanti	March 31, 2026
15.	Id-ul-Juha	May 28, 2026

Note : Tuesday is the weekly holiday in Banasthali. Special programmes are organised on Independence day (15 August), Gandhi Jayanti (2 October), Apaji's birthday (24 November) and Republic day (26 January) and usually leave is not granted for any of these days.

- Only on acceptance of prior permission from competent authority a student may be allowed to proceed on leave with father, mother or guardian.
- On guardian's arrival to Banasthali without pre intimation, leave may not be granted.
- In case for any reason, father, mother or guardian is unable to come to collect their wards during break or any other occasion, it is essential to produce an authority letter duly signed and attested by the guardian for grant of leave.
- **Leave is permissible only if application is sent in prescribed proforma of leave made available to every student by the Vidyapith office.**
- Only in exceptional cases telephonic conversation, telegram or fax message will be considered.
- The application for leave should reach the concerned office through registered post.
- **In any case students will not be permitted to go to any friend's house or along with any friend's guardian.**
- **Tuesday being a holiday for Banasthali Vidyapith all parents and guardians are requested not to approach for any permission, as all offices will remain closed.**

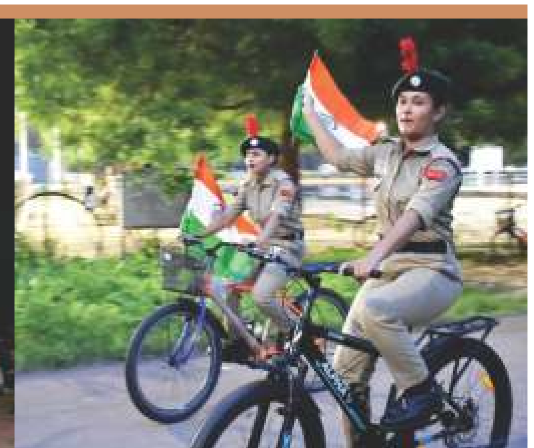

कैसे पहुँचे वनस्थली

1. अवस्थिति

वनस्थली राजस्थान राज्य के टोंक जिले में है। यह राज्य की राजधानी जयपुर से 72 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

2. रेल द्वारा कैसे पहुँचें

बनस्थली निवाई रेलवे स्टेशन पश्चिम रेलवे की जयपुर-सवाई माधोपुर-मुम्बई बड़ी रेल लाइन पर है। यह जयपुर और सवाई माधोपुर दोनों से समान दूरी 66 किलोमीटर पर है।

जयपुर पश्चिम रेलवे की दिल्ली-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर है। यहाँ के लिए दिल्ली जंक्शन, आगरा किला, अहमदाबाद, इन्दौर, मुम्बई, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर, चेन्नई, बैंगलोर, हावड़ा से सीधी गाड़ियाँ हैं।

सवाई माधोपुर पश्चिम रेलवे की दिल्ली-मुम्बई सैण्ट्रल बड़ी लाइन पर है यहाँ के लिए आगरा किला से भी सीधी गाड़ियाँ हैं।

जयपुर-सवाई माधोपुर और कोटा के बीच में 10 गाड़ियाँ निम्नानुसार चलती हैं :

वनस्थली निवाई रेल्वे स्टेशन पर केवल अर्द्धरात्रि की 2 गाड़ियों को छोड़कर शेष पर विद्यापीठ का वाहन उपलब्ध है।

3. सड़क मार्ग द्वारा कैसे पहुँचे

वनस्थली जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 से 7 किलोमीटर हटकर स्थित है। जयपुर से 65 किलोमीटर दक्षिण में आने के बाद 7 किलोमीटर पश्चिम आना होता है।

वनस्थली दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के पिल्लर नं. 228 (डूंगरपुर टोल बूथ नं.-3) से 80 कि.मी. हटकर पश्चिम की तरफ स्थित है।

राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की 4 बसें प्रतिदिन जयपुर व वनस्थली परिसर के अन्दर निम्नानुसार चलती हैं :

केन्द्रीय बस अड्डा (सिंधी कैम्प) जयपुर से प्रस्थान

14.20 16.15 17.00 18.00

विद्यापीठ परिसर से प्रस्थान

05.15 06.00 07.00 08.00

जयपुर और वनस्थली विद्यापीठ के बीच बस लगभग 2 घण्टे 45 मिनिट का समय लेती है। कोटा से बस द्वारा आने पर निवाई उतर कर वनस्थली की बस ली जा सकती है।

4. हवाई मार्ग से कैसे पहुँचे

सांगानेर (जयपुर) वनस्थली के लिए निकटतम विमानतल है। यह विद्यापीठ से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

विद्यापीठ का अपना अनुज्ञा प्राप्त निजी विमानतल है।

रेल नं. (डाउन)		59802	19713	22982	59805	12940	12466	12182	54812	18574	14706
जयपुर	Dep.	23.55	21.05	05.40	06.40	09.15 (Tue,Sat)	11.05	17.35	16.50	20.30	23.30 (Sun)
बनस्थली-निवाई	Arr.	00.56	21.58	06.30	07.54	10.06	11.56	18.28	18.59	21.24	00.20
सवाईमाधोपुर	Arr.	02.45	23.15	07.45	09.45	11.25	13.25	19.15	20.30	22.45	01.55
कोटा	Arr.	05.35	00.35	09.45	---	12.50	14.45	20.55	22.45	00.30	03.25
रेल नं. (अप)		54811	19714	12181	12939	18573	12465	22981	59806	59801	14710
कोटा	Dep.	02.55	01.55	07.40	09.30 (Mon/Thu)	11.30	12.35	17.20	--	23.50	11.30 (Thu)
सवाईमाधोपुर	Arr.	05.55	04.00	09.40	11.30	13.40	14.25	19.15	17.00	01.45	13.40
बनस्थली-निवाई	Arr.	07.05	04.47	10.33	12.26	14.32	15.35	20.22	18.06	03.01	14.32
जयपुर	Arr.	09.10	06.15	11.50	13.40	16.00	16.45	21.35	20.15	04.35	16.00

How To Reach Banasthali

1. Situation

Banasthali is situated in district Tonk in the State of Rajasthan. It is 72 Km. South of the State capital Jaipur.

2. How to reach by Train

BANASTHALI NIWAI Railway station is on the Jaipur-Swaimadhopur-Mumbai Broad gauge line of the Western Railway. It is equidistance from Jaipur and Swaimadhopur, 66 km. from both.

JAIPUR is on Delhi-Ahmedabad Broad-gauge main-line of Western Railway and there are direct trains to Jaipur from Delhi-Junction, Agra Fort, Ahmedabad, Indore, Mumbai, Udaipur, Bikaner, Jodhpur, Chennai, Bangalore, Howrah etc.

SAWAIMADHPOUR is on Delhi-Mumbai Central Broad–gauge main-line of the Western Railway. There are direct trains to Sawai-madhopur from Agra Fort also.

Ten trains run between Jaipur, Sawai Madhopur and Kota on the following timings:-

Vidyapith's Transport meets all the trains except two midnight trains at the Banasthali Newai Railway Station.

3. How to reach by Road

Banasthali is situated 7 km. off Jaipur-Kota National Highway (No. 12). One has to go 7 km. south from 65 km. (from Jaipur) stone on the Highway.

Banasthali is situated west side 80 k.m. off Delhi-Mumbai Express way corridor pillar No. 228 (Dungarpur Toll Booth No. 3).

There are 4 buses of Rajasthan State Road Transport Corporation plying daily from Jaipur to Banasthali Campus as per the following timings :

DEPARTURE FROM CENTRAL BUS STAND (SINDHI CAMP) JAIPUR

14.20 16.15 17.00 18.00

DEPARTURE FROM VIDYAPITH CAMPUS

05.15 06.00 07.00 08.00

The bus takes about 2 hours and 45 minutes to cover the distance Jaipur to Banasthali Vidyapith.

Persons travelling by bus from Kota will have to disembark at Newai and take connecting Bus.

4. How to reach by Air

Sanganer (Jaipur) is the nearest Air-Port for Banasthali. It is 60 Km. from Vidyapith Campus.

Banasthali has it's own private licensed Landing-Ground.

Train No. (down)		59802	19713	22982	59805	12940	12466	12182	54812	18574	14706
Jaipur	Dep.	23.55	21.05	05.40	06.40	09.15 (Tue,Sat)	11.05	17.35	16.50	20.30	23.30 (Sun)
Banasthli-Niwai	Arr.	00.56	21.58	06.30	07.54	10.06	11.56	18.28	18.59	21.24	00.20
Sawai Madhopur	Arr.	02.45	23.15	07.45	09.45	11.25	13.25	19.15	20.30	22.45	01.55
Kota	Arr.	05.35	00.35	09.45	---	12.50	14.45	20.55	22.45	00.30	03.25
Train No. (up)		54811	19714	12181	12939	18573	12465	22981	59806	59801	14710
Kota	Dep.	02.55	01.55	07.40	09.30 (Mon/Thu)	11.30	12.35	17.20	--	23.50	11.30 (Thu)
Sawai Madhopur	Arr.	05.55	04.00	09.40	11.30	13.40	14.25	19.15	17.00	01.45	13.40
Banasthali-Niwai	Arr.	07.05	04.47	10.33	12.26	14.32	15.35	20.22	18.06	03.01	14.32
Jaipur	Arr.	09.10	06.15	11.50	13.40	16.00	16.45	21.35	20.15	04.35	16.00

सामान्य सूचनाएँ

1. वनस्थली विद्यापीठ जयपुर से (जयपुर-कोटा सड़क से 5 किलोमीटर हटकर) कुल 72 किलोमीटर (54 मील) है।
2. वनस्थली निवाई रेलवे स्टेशन पश्चिमी रेलवे की जयपुर-सवाई माधोपुर ब्रॉडगेज शाखा पर स्थित है। वनस्थली विद्यापीठ, निवाई रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर (5 मील) दूर है। वनस्थली में रेलवे की बुकिंग-कम-रिजर्वेशन एजेंसी है।
3. वनस्थली-निवाई रेलवे स्टेशन से विद्यापीठ कैम्पस तक छात्राओं एवं विद्यापीठ के अतिथियों के लिए विद्यापीठ की अपनी समुचित यातायात व्यवस्था है।
4. जयपुर से वनस्थली आने-जाने के लिए राजस्थान स्टेट रोडवेज की नियमित बस सेवा है।
5. वनस्थली का अपना बड़ा हवाई जहाज मैदान है। हवाई मार्ग से दिल्ली से वनस्थली उतना ही दूर है जितना जयपुर।
6. डाकघर-वनस्थली विद्यापीठ 304022 (राजस्थान) विद्यापीठ में स्पीड पोस्ट डाक सुविधा उपलब्ध है।

   (Banasthali Vidyapith-304022 (Rajasthan)

बैंकिंग सुविधाएँ वनस्थली विद्यापीठ-

7. **वनस्थली-** (i) भारतीय स्टेट बैंक (15363), (ii) यूको बैंक (00521), (iii) दी सैण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक

   निवाई- (i) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया-(07259), (ii) बैंक ऑफ बड़ौदा-(00121)

   जयपुर- (i) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया-(00656), (ii) एच.डी.एफ.सी. बैंक-(00054), (iii) आई.सी.आई.सी.आई.बैंक (06781)

General Information

ROAD LINK :

72 km. from Jaipur. 7 km. off. Jaipur-Kota Road at 65 km. stone.

There are 14 buses of Rajasthan Roadways Transport Corporation between Jaipur-Banasthali.

RAILWAY STATION :

Banasthali-Niwai (Sawai Madhopur-Jaipur Line)

AIR LINK :

Banasthali has its own licenced Air Field (09/27)

Jaipur Airport is 59 km.

POST OFFICE :

Banasthali Vidyapith-304 022, Speed Post facility available

Telegraph Office : Banasthali Vidyapith

BANKING FACILITIES :

Banasthali Vidyapith :

(i) State Bank of India (15363)
(ii) UCO Bank (00521)
(iii) The Central Co-operative Bank Ltd., Tonk (Branch Banasthali Vidyapith)
(iv) SBI ATM facility
(v) UCO Bank ATM facility
(vi) ICICI Bank ATM facility

Newai :

(i) State Bank of India (07259)
(ii) Bank of Baroda (00121)

Jaipur :

(i) State Bank of India (00656)
(ii) HDFC Bank (00054)
(iii) ICICI Bank (06781)

वनस्थली विद्यापीठ टेलीफोन सूची

दूरसंचार विभाग की लाइनें (एसटीडी कोड 01438)

कार्यालय	दूरभाष
अध्यक्ष	228371
कुलपति	228787, 228373
सामान्य प्रशासन अनुभाग	228324
डीन, एडमिनिस्ट्रेशन कार्यालय	228975, 228456, 228990
आपाजी संस्थान	228647
शिक्षा संकाय	228430
विजडम	228547
विज्ञान संकाय	228302
स्कूल शिक्षा प्रभाग - प्रारम्भिक शिक्षा	228479
स्कूल शिक्षा प्रभाग - सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी	228383, 228369
श्री शान्ताबाई शिक्षा कुटीर	228355
कार्यशील महिला आवास	228362
लेखा विभाग	228644, 228546
टोल फ्री नम्बर	**1800-200-5855**

Telephone

OFFICE	STD-01438
President	228371
Vice-Chancellor	228787, 228373
General Administration	228324
Dean, Administration	228975, 228456, 228990
Apaji Institute	228647
Faculty of Education	228430
Wisdom	228547
Science Faculty	228302
School Education - Primary	228479
School Education - Sr. Secondary	228383, 228369
Shri Shanta Bai Shiksha Kutir	228355
Working Women's Hostel	228362
Accounts & Finance Department	228644, 228546
Toll Free No.	1800-200-5855

Connect with us on www.facebook.com/Banasthali.org

Banasthali Vidyapith Campus